तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 42 | कोरबा, बुधवार , दिनांक 12 नवंबर 2025 डाक 13 नवंबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव 2025 में शामिल हुई

देश-विदेश
पार्किंग में खड़े वाहनों की जांच का कोई प्रावधान नहीं नागरिकों को कैसे मिलेगी सुरक्षा

फीचर पेज
दांतों को चमकाने के अलावा कई कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है टूथपेस्ट

आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 200 से अधिक ठिकानों पर छापे

श्रीनगर, 12 नवंबर [एजेंसी]।

आतंकवाद के खिलाफ जम्मू-कश्मीर में कार्रवाई तेज है। बुधवार को कुलगाम और शोपियां जैसे इलाकों में पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई का उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में जानकारी जुटाना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना है। कुलगाम में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के खिलाफ एक्शन हुआ है। इस बड़ी कार्रवाई में कुलगाम पुलिस ने जिले भर में 200 से अधिक जेईआई ठिकानों पर छापे मारे। पुलिस ने घरों की तलाशी ली है। वहीं, पुलिस ने शोपियां जिले में जमात-ए-इस्लामी के सदस्यों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) समेत संदिग्ध राष्ट्र-विरोधी तत्वों को निशाना बनाकर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। पुलिस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। इससे पहले, शोपियां में चेकिंग के दौरान सैकड़ों वाहनों के चालान किए गए। शोपियां पुलिस ने एक्स पोस्ट में लिखा, राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पूरे जिले में तलाशी और वाहन जांच तेज कर दी है। उल्लंघन और स्वामित्व हस्तांतरण न करने के आरोप में सैकड़ों लोगों का चालान किया गया। पिछले दिनों रामबन और बांदीपोरा में भी आतंकवादियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए गए। बांदीपोरा पुलिस ने आतंकी और विध्वंसक गतिविधियों के तंत्र को ध्वस्त करने के एक बड़े अभियान में पाकिस्तान और पीओके से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के नागरिकों पर कार्रवाई की।

पुलिस ने नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकने के लिए जिले भर में सिम कार्ड विक्रेताओं का सत्यापन किया। विक्रेताओं को उचित केवाईसी प्रक्रियाओं का पालन करने और सटीक रिकॉर्ड रखने के लिए जागरूक किया गया। रामबन जिले में पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिलेभर के अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया। अभियानों के दौरान सुरक्षाबलों ने रामबन के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय आतंकवादियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के रिश्तेदारों और ज्ञात सहयोगियों के घरों की तलाशी ली। पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा तो नहीं दिया जा रहा है।

कार ब्लास्ट केस: एनआईए ने जांच के लिए टीम गठित की, इस अफसर को कमान

फरीदाबाद। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली कार ब्लास्ट की जांच के लिए टीम का गठन किया है। सूत्रों ने बताया है कि एडीजी विजय सखारे के नेतृत्व में पूरी टीम काम करेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनआईए को जांच सौंपी थी। सूत्रों के अनुसार, एनआईए ने दिल्ली ब्लास्ट की जांच के लिए स्पेशल 10 अधिकारियों की टीम तैयार की है, जिसमें आईजी, दो डीआईजी और 3 एसपी होंगे। बाकी डीएसपी स्तर के अधिकारी इस टीम में शामिल हैं। दिल्ली ब्लास्ट मामले को लेकर बुधवार को एनआईए के डीजी और आईबी चीफ की बैठक भी हुई है। सूत्रों ने यह भी बताया कि एनआईए की टीम जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और हरियाणा पुलिस से जैश मॉड्यूल की तमाम केस डायरी आज अपने कब्जे में लेगी। वहीं, फरीदाबाद में आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश होने के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच के घेरे में है।

इस यूनिवर्सिटी से जुड़े तीन संदिग्ध आतंकियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ। मामले में एजेंसियों ने जांच दायरा बढ़ाते हुए छह और लोगों को हिरासत में लिया। अल फलाह यूनिवर्सिटी में जांच एजेंसियां 50 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी हैं। इन लोगों में यूनिवर्सिटी में डॉक्टर मुजम्मिल के साथ काम करने वाले संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय के छात्र और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य शामिल हैं।

दून में इनकम टैक्स की रेड, बिल्डरों और शराब कारोबारियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापे

देहरादून। राजधानी देहरादून में आयकर विभाग की इंवेस्टिगेशन विंग ने रेड शुरू की है। विभाग की अलग अलग टीमें नामी बिल्डरों और शराब कारोबारियों के ठिकानों पर डटी हैं।

विभाग शहर के बड़े बिल्डर राकेश बत्ता, कमल अरोड़ा, इंदर खत्री, कसीगा स्कूल संचालक रमेश बत्ता, शराब कारोबारी कमल अरोड़ा, प्रदीप वालिया आदि के ठिकानों पर जांच कर रही है। जांच एमकेपी रोड, द्वारका स्टोर क्षेत्र और राजपुर रोड पर स्थित बिल्डरों और शराब कारोबारियों के ठिकानों पर की जा रही है।

धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने के बाद घर के बाहर फैंस का हुजूम, रोते हुए आए नजर

नईदिल्ली 12 नवंबर [एजेंसी]।

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर देओल परिवार घर लेकर आ गया है। बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे उन्हें बॉबी देओल घर ले आए। डॉक्टर ने कहा है कि अब उनका इलाज घर पर ही किया जाएगा, क्योंकि परिवार ने घर पर ही उनका उपचार कराने का फैसला लिया है। इस पर अस्पताल की तरफ से आधिकारिक बयान भी जारी कर दिया गया है। बुधवार सुबह धर्मेंद्र को अस्पताल से डिस्चार्ज कराया गया। बॉबी देओल ने पापा को डिस्चार्ज कराया और अलग से अपनी कार में बैठकर चले गए। उनका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। धर्मेंद्र के फैन ने बताया कि उन्होंने खाना-पीना छोड़ दिया है और वो बस दिन-रात धर्मेंद्र की अच्छी सेहत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। धर्मेंद्र के दोस्त और लेखक-निर्माता गुड्डू धनोआ ने धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने को लेकर कहा, वो ठीक हैं और रिकवर कर रहे हैं।

धर्मेंद्र जहां एक तरफ अस्पताल से घर आ गए हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके लाखों चाहने वाले दिन रात उनकी अच्छी सेहत की प्रार्थना कर रहे हैं। उनके घर के बाहर फैंस मौजूद हैं। एक ऐसा ही वीडियो आया है जिसमें धर्मेंद्र की तस्वीर को हाथ में पकड़कर एक शख्स रोते हुए नजर आ रहे हैं। धर्मेंद्र के फैन्स की आंखों में उनके लिए प्यार साफ तौर पर नजर आ रहा है।

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम ने दो फर्मों पर लगाया लाखों का जुर्माना

रायपुर। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम (पापुनि) ने आगामी शिक्षा सत्र में बच्चों को समय से पहले पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी है। कागज खरीदी और प्रिंटिंग के लिए टेंडर एक-दो दिनों में जारी कर दिया जाएगा। निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय ने दो टूक कहा है कि प्रिंटिंग और सप्लाई में किसी भी तरह की गड़बड़ी मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तय समय पर कागज सप्लाई नहीं करने की वजह से ही दो फर्मों पर क्रमशः 30 और 80 लाख रूपए का पेनाल्टी लगाया गया है।

दोनों फर्मों को ब्लैकलिस्टेड करने की भी तैयारी चल रही है। कार्रवाई के पहले निगम द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पापुनि के अध्यक्ष के मुताबिक वर्तमान कार्यकारिणी द्वारा आगामी सत्र हेतु पाठ्य पुस्तक मुद्रण के संबंध में पूर्व सत्र की प्रणाली को ही अन्य राज्यों के समान लागू करने का निर्णय लिया गया अर्थात निगम द्वारा ही कागज की खरीदी कर प्रिंटरों के माध्यम से पाठ्य पुस्तकें मुद्रित कराई जाएगी।

तिरुपति मंदिर लड्डू घोटाला

68 लाख किलो नकली घी में बना प्रसाद, क्या है 250 करोड़ का स्कैम?

तिरूमाला, 12 नवंबर [एजेंसी]।

आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में चढ़ाए जाने वाले लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले नकली घी मामले में मंदिर बोर्ड के पूर्व प्रमुख से पूछताछ हुई है। जांच एजेंसी ने मंगलवार को तिरुमाला घी में कथित मिलावट मामले में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व प्रमुख ए.वी. धर्म रेड्डी से पूछताछ की। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित टीम ने जांच के दौरान पाया कि आंध्र प्रदेश में तिरुमाला के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पवित्र तिरुपति लड्डू प्रसादम की तैयारी में कथित तौर पर मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया था। तिरुपति मंदिर के पूर्व प्रमुख ए.वी. धर्म रेड्डी, जो टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) के रूप में कार्यरत थे, मामले की विस्तृत जांच के लिए तिरुपति में एसआईटी कार्यालय के समक्ष पेश हुए। जांच एजेंसी के अनुसार, टीटीडी को 2019 से 2024 तक पांच साल की अवधि में लगभग 250 करोड़ रुपये मूल्य का अनुमानित 68 लाख किलोग्राम नकली घी प्राप्त हुआ। ननेल्लोर एसीबी अदालत को सौंपी गई रिमांड रिपोर्ट में विस्तृत जांच से पता चला कि प्राथमिक आपूर्तिकर्ता - उत्तराखंड स्थित एक डेयरी - ने दूध या मक्खन की एक भी बूंद खरीदे बिना इतनी बड़ी मात्रा में घी पहुंचाने में कामयाबी हासिल की थी। कथित तौर पर घी को ताड़ के तेल, ताड़ की गिरी के तेल और एसिटिक एसिड एस्टर जैसे औद्योगिक रसायनों का उपयोग करके संश्लेषित किया गया था, ताकि शुद्धता परीक्षण (रीचर्ट-मीसल मूल्य) में हेरफेर किया जा सके और टीटीडी की गुणवत्ता जांच से बचा जा सके।

पीएम मोदी ने की भूटान के चौथे नरेश से मुलाकात वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव में लिया भाग

थिम्पू 12 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को थिम्पू में भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से मुलाकात की। उन्होंने वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने महामहिम, चौथे नरेश की 70वीं जयंती के अवसर पर बधाई दी और भारत सरकार एवं जनता की ओर से उनके निरंतर अच्छे स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए शुभकामनाएं एवं प्रार्थनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने भारत-भूटान मैत्री को और सुदृढ़ बनाने में उनके नेतृत्व, परामर्श और मार्गदर्शन के लिए चौथे नरेश का धन्यवाद किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और पारस्परिक हित के मुद्दों पर चर्चा की। इस संदर्भ में, उन्होंने साझा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया जो दोनों देशों के लोगों को करीब लाते हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, महामहिम चतुर्थ नरेश के साथ एक अच्छी बैठक हुई। भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में उनके व्यापक प्रयासों की सराहना की। ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी में सहयोग पर चर्चा हुई। गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना की प्रगति की सराहना की, जो हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है। इससे पहले मंगलवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के चौथे नरेश की 70वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भी भाग लिया और भारत और भूटान के बीच स्थायी मित्रता और आध्यात्मिक संबंधों की पुष्टि की। 11 नवंबर, 1955 को जन्मे जिग्मे सिंग्ये वांगचुक ने भूटान के चौथे नरेश ग्यालपो के रूप में कार्य किया। उनका शासनकाल 1972 से 2006 तक चला और उन्हें भूटान के सबसे दूरदर्शी और प्रिय राजाओं में से एक माना जाता है। उनके नेतृत्व में, भूटान का आधुनिकीकरण हुआ, राष्ट्रीय एकता मजबूत हुई और एक अद्वितीय सुख-आधारित दर्शन अपनाया गया जिसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली।

अर्जेंटीना की राजधानी में ट्रेन हादसा, पटरी से नीचे उतरीं 3 बोगियां, 20 घायल

नईदिल्ली 12 नवंबर [एजेंसी]।

अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया है। इस हादसे में 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। हादसा ब्यूनस आयर्स के लिनियर्स रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जब धीमी रफ्तार से चल रही एक ट्रेन अचानक बेपटरी गई। सारमिएंटो लाइन पैसेंजर ट्रेन की तीन बोगियां पटरी से नीचे उतर गईं। हादसे के बाद इस पूरे रूट पर ट्रेन सेवा ठप पड़ गई। यह हादसा इंटरलॉकिंग सिस्टम में खराबी के कारण हुआ है। दरअसल इंटरलॉकिंग सिस्टम ट्रैक स्विच को नियंत्रित करता है। इसके खराब होने के कारण धीमी रफ्तार में चलने के बावजूद ट्रेन का पहिया पटरी से खिसक गया और 3 कोच बेपटरी हो गए। इस हादसे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें ट्रेन हादसे को होते हुए देखा जा सकता है। हादसे के बाद पूरी ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई थी। कई यात्री ट्रेन के कोच में फंसे हुए थे। हादसे की सूचना मिलते ही अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची और सभी यात्रियों को कोच से बाहर निकाला गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

हादसे के बाद रेलवे प्रशासन ने कैस्टेलर और मोरेना स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं रोक दी थी। मामले की जानकारी देते हुए रेलवे प्रशासन ने कहा, इस घटना में 20 यात्री घायल थे। 11 का मौके पर ही इलाज कर दिया गया था। वहीं, 9 यात्रियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

बाजार में भीषण आग सैकड़ों दुकानें जलकर खाक

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के बाकरगंज बाजार में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते सैकड़ों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना बाबूपुरवा थाना क्षेत्र की है। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे इलाके में घना धुआं छा गया और लोगों में अफरातफरी मच गई। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सुबह करीब 5 बजे लगी थी। जब स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, तब तक पूरा बाजार धधक रहा था। एक व्यापारी ने आईएएनएस से बताया, हम जब पहुंचे तो चारों तरफ आग ही आग थी। हमारी दो दुकानें थीं, जिनकी कीमत करीब 50-60 लाख रुपए थी। सब कुछ जल गया।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

ऑपरेशन बुलियन ब्लेज : डीआरआई ने रेड मारकर जब्त किया 15 करोड़ रुपए का सोना, 11 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने एक बड़े सोना तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ऑपरेशन बुलियन ब्लेज के तहत की गई इस कार्रवाई में टीम ने 11.88 किलो सोना और 8.72 किलो चांदी जब्त की है। बरामद सोने की कीमत लगभग 15.05 करोड़ रुपए और चांदी की कीमत 13.17 लाख रुपए आंकी गई है। इस पूरे मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड भी शामिल है। डीआरआई को खुफिया सूचना मिली थी कि मुंबई में कुछ स्थानों पर सोने की अवैध तस्करी और उसे पिघलाने का काम चल रहा है। इस सूचना के आधार पर 10 नवंबर को अधिकारियों ने चार अलग-अलग जगहों पर एक साथ छापेमारी की, जिनमें अवैध सोना गलाने की दो भट्टियों और दो अपंजीकृत दुकानों पर कार्रवाई शामिल है। छापेमारी के दौरान दोनों भट्टियां पूरी तरह चालू हालत में मिलीं। वहां पर तस्करी किए गए सोने को पिघलाकर सोने की सिल्लियों में बदला जा रहा था। डीआरआई ने चारों ऑपरेटरों को हिरासत में लिया और 6.35 किलो सोना बरामद कर लिया। इसके बाद टीम ने मास्टरमाइंड द्वारा इस्तेमाल की जा रही दो दुकानों पर भी छापे मारे, जहां तस्करी का सोना प्राप्त किया जाता था और पिघलाने के बाद उसे स्थानीय बाजार में बेचा जाता था। इनमें से एक दुकान से अधिकारियों को अतिरिक्त 5.53 किलो सोना मिला। जांच में सामने आया कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर विदेशी सोने की तस्करी कर उसे भारत में पिघलाकर बेच रहा था। मास्टरमाइंड इस सिंडिकेट को अपने पिता, एक मैनेजर, चार गलाने वाले मजदूरों, एक एकाउंटेंट और तीन डिलीवरी बॉय के साथ मिलकर चला रहा था। एकाउंटेंट का काम तस्करी किए गए सोने का हिसाब रखना था, जबकि डिलीवरी बॉय बाजार में सिल्लियां पहुंचाते थे।

शराब छोड़ने की सलाह बनी मौत का कारण बेगूसराय में पति ने पत्नी को जिंदा जलाया

बखरी (बेगूसराय)। बखरी थाना क्षेत्र के सोनमा गांव में कल देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शराब पीने से मना करने पर पति ने अपनी पत्नी को जिंदा जला डाला।घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 25 वर्षीय रिड्डू कुमारी, पत्नी जितेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पति जितेन्द्र कुमार अक्सर शराब पीकर पत्नी से मारपीट करता था।

कल रात जब रिड्डू कुमारी ने उसे शराब पीने से मना किया, तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर जितेन्द्र ने पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग की लपटों में झुलसी रिड्डू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बखरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति जितेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है।

डीटी ने किया गेवरा खदान का दौरा

कोरबा। एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी) योजना एवं परियोजना रमेश चन्द्र महापात्र ने कल देर संध्या गेवरा खदान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खदान के फेस तक पहुँचकर उत्पादन एवं ओवरबर्डन (ओबी) से संबंधित गतिविधियों का निरीक्षण किया और कार्यस्थल पर सुरक्षा तथा संचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान श्री महापात्र ने संप क्षेत्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने मानसून अवधि में एकत्रित जल के रखरखाव एवं प्रबंधन की स्थिति का जायज़ा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने खदान प्रबंधन टीम के साथ बैठक कर उत्पादन और उत्पादकता की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की तथा लक्ष्य अनुरूप उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक सुझाव और दिशा-निर्देश प्रदान किए।

दौरे के दूसरे दिन, 11 नवंबर 2025 को, श्री महापात्र तड़के गेवरा सायलो पहुँचे और डिस्पैच व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कोयला परिवहन एवं लोडिंग से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन साइट का भी दौरा कर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्य स्तरीय स्पेशल कोर्स में 12 लीडर्स हुए सम्मिलित

कोरबा । भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राज्य मुख्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्तरीय स्पेशल कोर्स का आयोजन किया गया। इस कोर्स में कोरबा जिले से 12 लीडर्स सम्मिलित हुए। रायपुर स्थित राज्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अनुसंधान केंद्र में 4 से 8 नवम्बर तक सेक्रेटरी एवं ऑर्गनाइजर, मैपिंग एवं स्टार गैजिंग, पायनियरिंग एवं इस्टीमेशन का स्पेशल कोर्स आयोजित किया गया। इसमें राज्यभर से लीडर्स की भागीदारी हुई।

तीनों कोर्स में कोरबा जिले से जिला सचिव भरत सिंह वर्मा, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) डीगम्बर सिंह कौशिक, विकासखंड सचिव प्रीतम लाल राजवाड़े, भागीरथी श्रीवास, नमिता श्यामकुंवर कड़वे, लक्ष्मी राज, विकासखंड संयुक्त सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह गौतम, नोहर चंद्रा, मनराखन अगरिया, गाइडर पुष्पा शांडिल्य, स्काउटर लोकनाथ सेन, डिंपल सिंह ने भागीदारी की। जिले से राज्य स्टॉफ में बतौर सहायक संचालक स्काउटर एसआर अमित सम्मिलित हुए।

राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा के मार्गदर्शन एवं राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू के दिशा निर्देश पर कोर्स आयोजित हुआ। कोर्स का नेतृत्व अशोक कुमार देशमुख, खोड़स राम कश्यप, अमित क्षत्रिय, जेरमिना एक्का द्वारा किया गया।

सुशासन से महिला सशक्तिकरण -महतारी सदन' से मजबूत होगी आत्मनिर्भरता की नींव

कोरबा । छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए लगातार सार्थक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में सुशासन की परिकल्पना अब महिलाओं के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भर रही है। इसी क्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक अभिनव पहल के रूप में 'महतारी सदन' शुरू की गई है, जो ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाएगी।

महतारी सदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें योजनाओं से सीधे जोड़ना है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में महतारी सदन का निर्माण किया जाएगा। ये सदन महिला स्व सहायता समूहों के लिए एक सशक्त कार्यालय, प्रशिक्षण केंद्र और कार्यस्थल के रूप में कार्य करेंगे, जहाँ महिलाएँ सामूहिक रूप से अपने आर्थिक और सामाजिक विकास के कार्य संचालित कर सकेंगी।

जिले के ग्राम कनबेरी एवं बोईदा में महतारी सदन का निर्माण पूर्ण हो चुका है। जोकि पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो रहा है। इसमें एक बड़ा हॉल, बैठक कक्ष, रसोईघर, स्टोर रूम, स्वच्छ शौचालय एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। यह व्यवस्था न केवल कार्य संचालन को सुगम बनाएगी, बल्कि महिलाओं को एक सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल भी प्रदान करेगी।

धान खरीदी हेतु समितियों में प्रभारी अधिकारी नामांकित

कोरबा । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एवं वित्तीय प्रशासकीय प्रबंधन का कार्य संयुक्त रूप से समिति प्रबंधक के साथ शासकीय विभागों के अधिकारियों को समिति स्तर पर आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में धान खरीदी हेतु प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया है। विकासखंड कटघोरा अंतर्गत 06, करतला - 12, कोरबा- 06, पाली - 08 और विकासखंड पोंड़ी उपरोड़ा अंतर्गत 09 कुल 41 आदिम जाति सेवा सहकारी समिति शामिल हैं।कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार विकासखंड कटघोरा अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अखरापाली हेतु तहसीलदार दीपका अमित केरकेट्टा, कटघोरा- तहसीलदार कटघोरा सूर्यप्रकाश केशकर, छुरीकला- अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग प्रदीप मरकाम, जवाली- अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग सतीश पाण्डेय, दूरपा- अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अनुज भार्गव और समिति भिलाईबाजार हेतु नायब तहसीलदार दीपका वंदेराम भगत को प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया है।

इसी तरह विकासखंड करतला अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कनकी हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी संदीप पाण्डेय, करतला-नायब तहसीलदार करतला देवेन्द्र कुमार, कोथारी- सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी करतला शीतल अग्रवाल, चिकनीपाली - उप अभियंता जनपद पंचायत करतला गुलजार मरावी, तुमान- राजस्व अधिकारी नामांकित किया गया है।

25 साल में 8 लाख 40 हजार टन कोयला निकालने सिंघाली में नई प्रणाली

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस लिमिटेड कोरबा क्षेत्र की सिंघाली खदान में कोल इंडिया के पहले पेस्ट फिलिंग प्रोजेक्ट के लिए भूमिपूजन संपन्न हो गया। एसईसीएल व टीएमसी के बीच 7040 करोड़ रुपए का समझौता हुआ है। खबर के अनुसार इस क्षेत्र में 8 लाख तन से ज्यादा कोयला का भंडार मौजूद है जिसे अगले ढाई दशक में निकालने की योजना है। भूमिगत खदान में आधुनिक तकनीक से खनन के बाद रिक्त स्थान को भरा जा सकेगाएसईसीएल कोरबा क्षेत्र में स्थित है सिंघाली भूमिगत कोयला खदानकोयला उत्खनन की आधुनिक तकनीक है पेस्ट फिलिंगपेस्ट फिलिंग एक आधुनिक भूमिगत खनन विधि है। कोयला खनन से निकले रिक्त स्थान को फ्लाई ऐश, ओपनकास्ट खदानों से कुचले गए ओवरबर्डन, सीमेंट, पानी और बाध्यकारी रसायनों से बने विशेष रूप से तैयार पेस्ट से भर दिया जाता है। यह प्रक्रिया भूमि के धंसने को रोकती है और खदान की संरचनात्मक स्थिरता सुनिश्चित करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि पेस्ट में औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग किया जाता है, जिससे यह प्रक्रिया पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बनती है और अपशिष्ट पुनर्चक्रण को बढ़ावा मिलता है।सुरक्षित खनन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावाप्रबंधन का कहना है कि सिंघाली खदान में इस तकनीक का प्रयोग एसईसीएल के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस तकनीक से आधुनिक और सुरक्षित खनन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। बताया जा रहा है कि सिंघाली खदान पेस्ट फिलिंग प्रोजेक्ट शुरू करने के

बाद एसईसीएल के अन्य भूमिगत कोयला खदानों में खनन कि इस आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा सकता है।एसईसीएल के सिंघाली में पेस्ट फिल तकनीक से कोयला उत्पादन के लिए अप्रैल 2025 में एसईसीएल व टीएमसी खनिज संसाधन लिमिटेड के साथ 7040 करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था। इस तकनीक से सिंघाली भूमिगत कोयला खदान में बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन की योजना है। इस परियोजना में अगले 25 वर्षों में लगभग 8.4 मिलियन टन कोयला उत्पादन होने की उम्मीद है। सिंघाली भूमिगत खदान को 1989 में 0.24 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता के लिए मंजूरी दी गई थी और 1993 में इसका संचालन शुरू हुआ था। वर्तमान में, खदान में जी-7 ग्रेड नॉन-कोकिंग कोयले का भंडार हैं। पहले इसे बोर्ड और पिलर पद्धति का उपयोग करके विकसित किया गया था, जिसमें भूमिगत संचालन के लिए लोड हॉल डंपर्स (एलएचडी) और यूनिवर्सल ड्रिलिंग मशीन (यूडीएम) का उपयोग किया गया था। अब यहां पेस्ट फिल तकनीक से और सुरक्षित कोयला उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।कोरबा. एसईसीएल कोरबा क्षेत्र स्थित सिंघाली भूमिगत खदान में पेस्ट फिलिंग तकनीक से कोयला का खनन किया जाएगा। कोयला खनन की इस आधुनिक तकनीक से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। मंगलवार को सिंघाली भूमिगत कोयला खदान में कोल इंडिया के पहले पेस्ट फिलिंग प्रोजेक्ट के लिए भूमिपूजन किया गया।एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र अंतर्गत डीएसबी उपक्षेत्र में सिंघाली भूमिगत कोयला खदान स्थित है, जहां पेस्ट फिलिंग टेक्नोलॉजी परियोजना के लिए भूमि पूजन संपन्न हुआ। एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन के मार्गदर्शन में कोरबा क्षेत्र के सिंघाली में आयोजित इस कार्यक्रम में एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी) योजना एवं परियोजना रमेश चन्द्र महापात्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पेस्ट फिलिंग प्रोजेक्ट के लिए भूमिपूजन किया। इस अवसर पर टीएमसी के प्रबंध निदेशक अतुल द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एसईसीएल कोरबा एरिया के क्षेत्रीय महाप्रबंधक राजेश कुमार गुप्ता, एसईसीएल मुख्यालय से महाप्रबंधक (उत्पादन) अजय तिवारी भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रबंधन के मुताबिक एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन के मार्गदर्शन में कोल इंडिया के पहले पेस्ट फिल प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के सिंघाली भूमिगत खदान में किया जा रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्र, उपक्षेत्र एवं इकाई के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी प्रतिनिधि,जेसीसी सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। भूमि पूजन के बाद अतिथियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर कोरबा क्षेत्र के विभिन्न विभागों के स्टाफ ऑफिसर्स एवं अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

कभी दिन भर की मजदूरी से दो-तीन रुपये कमाने वाली कैलाशो बाई को अब हर महीने मिल रहा एक हजार रुपये का संबल

कोरबा । जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत नवापारा गांव में रहने वाली वृद्धा कैलाशो बाई का जीवन कभी बेहद कठिनाइयों से भरा हुआ था। करीब चार साल पहले पति के निधन के बाद वे पूरी तरह अकेली हो गईं। उम्र के इस पड़ाव में जब उन्हें सहारे की सबसे अधिक जरूरत थी, तब जीवनयापन के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा।

कैलाशो बाई बताती हैं कि जब हसदेव नदी पर बांगो बांध का निर्माण कार्य चल रहा था, तब वे अपने पति के साथ वहां मजदूरी करती थीं। उस समय गाँव के कई लोग इस काम में जुटे हुए थे। उस दौरान दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद भी उन्हें मात्र दो से तीन रुपये का मेहनताना मिलता था। इतने कम पैसे में घर चलाना बहुत मुश्किल था, परंतु अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं।छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन में नई उम्मीद और सहारा दिया है। इस योजना के तहत उन्हें हर महीने एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। कैलाशो बाई कहती हैं, 'अब तो सरकार हमें घर बैठे हर महीने एक हजार रुपये दे रही है, जिससे घर का छोटा-मोटा खर्च आसानी से चल जाता है। जरूरत की चीजें खरीद लेती हूँ और किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।' वे आगे बताती हैं कि 'अब इस उम्र में मजदूरी करना संभव नहीं है, लेकिन सरकार की इस योजना से हमें बहुत राहत मिली है।' महतारी वंदन योजना के माध्यम से कैलाशो बाई जैसी हजारों महिलाओं को न केवल आर्थिक सहायता मिल रही है, बल्कि उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और सम्मान की भावना भी मजबूत हुई है। यह योजना वास्तव में छत्तीसगढ़ की माताओं और बहनों के जीवन में सुरक्षा और संबल का प्रतीक बन चुकी है, तभी तो अतीत के दर्द को वह बिना भुलाए वर्तमान की खुशी में मुस्कुराते हुए सरकार से योजना के माध्यम से मिल रही राशि को बड़ा सहारा मानती है।

कोरबा जिले में 11 हजार 306 बच्चों ने लिया बाल विवाह न करने का संकल्प

कोरबा। बाल विवाह मुक्त जिला घोषित करने के उद्देश्य से कोरबा जिले में चल रहे जन जागरूकता अभियान को जबरदस्त जनसमर्थन मिल रहा है। राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के अध्यक्ष अजीत वसंत के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिले में निरंतर जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।शिक्षा विभाग ,जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 11 नवंबर 2025 तक जिले के 60 विद्यालयों से कुल 11 हजार 306 बच्चों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली है। बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए यह एक सराहनीय पहल मानी जा रही है।कार्यक्रमों के संचालन में जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (नीति आयोग)का संयुक्त योगदान रहा। जिले में आगे भी इस अभियान को और व्यापक स्तर पर चलाने की योजना बनाई गई है ताकि कोरबा को शीघ्र ही बाल विवाह मुक्त जिले के रूप में स्थापित किया जा सके।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण

कोरबा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के तहत 12 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों का दल 8 नवंबर से 16 नवंबर तक कोरबा जिले के ग्रामों के अध्ययन भ्रमण पर है। इस अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं ग्राम्य जीवन की वास्तविक परिस्थितियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना है। प्रशिक्षु अधिकारियों ने कलेक्टर अजीत वसंत से ब्रीफिंग प्राप्त की। कलेक्टर ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को जिले की भौगोलिक संरचना, गौरवशाली इतिहास व संस्कृति, परंपराएं, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विषय में बताया। इसके साथ ही एनटीपीसी, बाल्को, एसईसीएल, कोल माइंस,पॉवर प्लांट हसदेव बागों बांध आदि के विषय में जानकारी दी।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने अधिकारियों को ग्राम भ्रमण के दौरान महत्वपूर्ण विषय के संकलन एवं आवश्यक सावधानियों के विषय में बताया और मार्गदर्शन दिया। सोमवार को प्रशिक्षु अधिकारी दो दलों में विभाजित होकर ब्लॉक कोरबा के ग्राम पंचायत चाकामार एवं ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम पंचायत पुटीपखना का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों, पंच, सरपंच, मितानिन, शिक्षक एवं स्थानीय अधिकारियों से संवाद स्थापित कर प्रशासनिक कार्यप्रणाली और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, महात्मा गांधी नरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन,स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, जल जीवन मिशन एवं डिजिटल पंचायत जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के कार्यान्वयन का गहराई से अध्ययन किया। उन्होंने हितग्राहियों से बातचीत कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति एवं उनके लाभ के विषय में प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने पीएमश्री विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, सड़क, नाली, सौर ऊर्जा व्यवस्था एवं बिजली आपूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने ट्रांजिट वॉक कर ग्राम के सामाजिक-आर्थिक ढांचे, संसाधनों एवं जनजीवन की विविधताओं को निकट से देखा-समझा। ग्राम पंचायत चाकामार में भ्रमण दल में शामिल प्रशिक्षु अधिकारी रजत सिंह, खोत पुष्पराज नानासाहेब, विकास यादव, केवल अश्विनभाई मेहता, सुश्री सरन्या एस, एवं सुश्री अदिति छापरिया रहे। वहीं ग्राम पंचायत पुटीपखना के भ्रमण दल में बालाजी ए, उत्कर्ष श्रीवास्तव, शिवम कुमार, विद्यांशु शेखर झा, सुश्री नम्रता अग्रवाल एवं सुश्री उन्नति गोयल प्रशिक्षु अधिकारी शामिल रहे।

विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने दिए त्वरित निराकरण और पारदर्शिता के निर्देश

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा (टी.एल.) की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।उन्होंने 13 नवम्बर 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली 'रन फॉर यूनिटी' के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने, रूट चार्ट को अंतिम रूप देने तथा आम नागरिकों एवं सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रन फॉर यूनिटी का आयोजन भव्य और प्रेरणादायी स्वरूप में किया जाए ताकि सरदार पटेल जी के एकता और अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। साथ ही उन्होंने सभी शासकीय कार्यालयों में बायोमेट्रिक मशीनें लगाने तथा अधिकारियों-कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश प्रभारी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने जनदर्शन अंतर्गत लंबित प्रकरणों को 15 दिनों के भीतर निराकृत करने के भी निर्देश दिए।विशेष गहन पुनरीक्षण, जनजाति गौरव दिवस और रेडी टू इट निर्माण पर दिए निर्देशबैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (ैस्) की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अनुभागों में घोषणा फार्म का वितरण तय समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए और डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया लगातार जारी रखी जाए। उन्होंने आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाते हुए कहा कि विशेष पुनरीक्षण कार्य को उच्च प्राथमिकता में रखकर समय पर पूर्ण किया जाए।कलेक्टर ने 15 नवम्बर को आयोजित होने वाले जनजाति गौरव दिवस की तैयारी हेतु सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा जिला पंचायत सीईओ को मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम रूपरेखा तैयार करने और सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेडी टू इट निर्माण के संबंध में डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग को समूह की बैठक आयोजित कर 7 दिवस के भीतर मशीन स्थापित कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।ग्रामीण विकास, निर्माण कार्य, पीएम आवास और धान खरीदी की प्रगति की समीक्षाकलेक्टर श्री वसंत ने सभी जनपद सीईओ को विगत कार्यकाल में ग्राम पंचायतों में वसूली प्रकरणों में कार्यवाही करने और हर सप्ताह एसडीएम को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।उन्होंने जिले में जर्जर स्कूल एवं आंगनबाड़ी भवनों के पुनर्निर्माण हेतु टीएस शीघ्र प्रेषित करने और इस कार्य को प्राथमिकता में लेने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्ष 2010 के बाद निर्मित भवनों को इस सूची में शामिल न किया जाए तथा टॉयलेट और किचन शेड के कार्यों को एक माह के भीतर टीएस स्वीकृत किया जाए। कलेक्टर ने डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को मार्च 2026 तक पूर्ण करने और प्रधानमंत्री आवास निर्माण में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत आवासों का निर्माण दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने और निरंतर मॉनिटरिंग करने को कहा। कलेक्टर ने युक्तियुक्तकरण के पश्चात स्कूलों में समय पर जॉइन नहीं करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा अनुचित अवकाश के समायोजन के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता से संचालित करने तथा किसानों के लिए खरीदी केंद्रों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।पीएम सूर्यघर योजना, डीएमएफ क्षेत्र विस्तार और सड़क निर्माण की समीक्षाबैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने पीवीटीजी परिवारों के आवासों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर स्थापना कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डीएमएफ अंतर्गत नए क्षेत्रों का चिन्हांकन करने, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक वितरण सुनिश्चित करने, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) सड़क के अधूरे कार्य पूर्ण करने तथा भू-विस्थापित परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्वरोजगार से जोड़ने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ कोरबा नगर में यूनिटी मार्च का होगा भव्य आयोजन

कोरबा । भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार, कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर नगर में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ 13 नवम्बर 2025 दिन गुरुवार को 'यूनिटी मार्च' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को जागृत करना है। राज्यसभा सांसद राजा श्री देवेंद्र प्रताप सिंह,, छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी एवं श्रम विभाग श्री लखन लाल देवांगन, विधायकगण, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संस्थाएं, माय भारत, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट्स एवं गाइड्स, विभिन्न खेल संघ, खिलाड़ी एवं जिले के स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं इस एकता यात्रा में शामिल होंगे।यूनिटी मार्च का शुभारंभ प्रातः 09 बजे 15 ब्लॉक स्थित पटेल सामुदायिक भवन से किया जाएगा। यह यात्रा ट्रांसपोर्ट नगर चौक, सीएसईबी चौक, अटल परिसर, जैन मंदिर बुधवारी, महाराणा प्रताप चौक, घंटाघर, सुभाष चौक होते हुए कोसाबाड़ी स्थित श्री लालबहादुर शास्त्री चौक में संपन्न होगी। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग कोरबा द्वारा जिले के सभी बुद्धिजीवियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीद परिवारों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से 'यूनिटी मार्च' में उत्साहपूर्वक सहभागिता हेतु सादर आग्रह किया गया है, ताकि सरदार पटेल जी के राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

जिले में सड़क सुधार कार्य जारी,

कोरबा । जिले में सड़क मार्गों की दुरुस्ती और आमजन के सुगम आवागमन के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा मरम्मत कार्य तेजी से किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, ने बताया कि लोक निर्माण विभाग संभाग कोरबा अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बीटी पेच रिपेयर कार्य कुल 277.32 किलोमीटर लंबाई पर किया जा रहा है, जिसके लिए 556.20 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि शहर के गौमाता चौक, कोरबा और कटघोरा-सलोरा मार्ग में बीटी पेच का कार्य 10 नवम्बर से प्रारंभ हो गया है। मरम्मत कार्य सुचारू रूप से प्रगति पर है ।

पाली परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा । एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के दो रिक्त पद एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 04 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं।परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली से प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना पाली अंतर्गत ग्राम केराकछार के आंगनबाड़ी केन्द्र विच्छीडुग्गू एवं ग्राम परसदा के आंगनबाड़ी केन्द्र परसदा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। इसी तरह ग्राम नवापारा के आंगनबाड़ी केन्द्र धवईहापारा, ग्राम परसदा के आंगनबाड़ी केन्द्र समरमुड़ा, ग्राम माखनपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र रांवपारा और ग्राम कर्रानवापारा के आंगनबाड़ी केन्द्र कन्हैयापारा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इच्छुक आवेदिका 21 नवंबर 2025 तक कार्यालयीन समय में एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली में आवेदन जमा कर सकती हैं। उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।

अदाणी फाउंडेशन ने पताड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रदान किया बुनियादी सुविधाओं के उपकरण व सामग्री

कोरबा । जिले के करतला ब्लॉक में स्थित कोरबा पावर लिमिटेड (केपीएल), पताड़ी में अदाणी फाउंडेशन ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने की अनुपम पहल की है। इसके तहत सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पताड़ी में बुनियादी जरूरतों की सामग्रियों के हस्तांतरण तथा आस - पास के दिव्यांजनों को सहायक उपकरणों के वितरण हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और दिव्यांगजन तथा जरूरतमंद लोगों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत पताड़ी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार हेतु कई जरूरी उपकरणों जिनमें एयर कंडीशनर व डीप फ्रीज़र, टेलीविज़न, रोगी बेड, लॉकर, वेटिंग चेयर और कूलर प्रदान किया गया। इसके अलावा आस पास के दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरणों जिनमें ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र (हियरिंग एड), वॉकर और बैसाखी शामिल का सहयोग किया है। जो कि दिव्यांगजनों की उनके दैनिक जीवन और गतिशीलता में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीएमएचओ कोरबा, डॉ. एस.एन. केसरी,बीएमओ श्री दीपक राज, केपीएल के परियोजना प्रमुख श्री ए राजागुरु ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर पताड़ी सरपंच श्री प्रधान सिंह ठाकुर, जिला पंचायत प्रतिनिधि श्रीमती सुष्मिता कमलेश अनंत, जनपद सदस्य श्री अनिल खूँटे, सीएचसी पताड़ी से चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजनी कटकवार एवं डॉ. रंजीता कंवर, प्रोग्राम मैनेजर श्री व्यास नारायण कोसले, तथा पीचसी बर्रीडीह से श्रीमती हेमीन सूर्यवंशी, केपीएल के महाप्रबंधक श्री अखिलेश सिंह, श्री नितिन पाटील, भू विभाग प्रमुख श्री विकास ठाकुर, कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख श्री अतुल गुप्ता तथा श्री कृष्णा कटकवार उपस्थित थे।

इसके अलावा अदाणी फाउंडेशन के सीएसआर प्रमुख श्री ताजेंद्र बंजारे व सीएसआर प्रोजेक्ट से श्री पवन महतो सहित गांव के पंच, बुजुर्गजन तथा ग्रामवासी मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमएचओ कोरबा, डॉ. एस.एन. केसरी ने कहा, कि 'अदाणी फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र में स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के स्तर को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाया जा रहा है जो की एक सराहनीय पहल है। आज पताड़ी के सीएचसी में अदाणी फाउंडेशन द्वारा कई बुनियादी सामग्रियों का हस्तांतरण एवं सहायक उपकरणों का वितरण किया जा रहा है। इन उपकरणों से स्वास्थ्य केंद्र की बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा और मरीजों को बेहतर उपचार का वातावरण मिलेगा। 'जबकि केपीएल के भू विभाग प्रमुख श्री विकास ठाकुर ने सामुदायिक विकास की पहल में अदाणी फाउंडेशन की विभिन्न गतिविधियों के तहत केपीएल द्वारा आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा, आजीविका संवर्धन और अधोसंरचना विकास की प्रतिबद्धता को बताया।

अदाणी समूह, अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से कोरबा जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना विकास के कई कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पताड़ी, खोद्दल, सरगबुंदिया सहित आसपास के ग्रामों में स्वच्छ पेयजल हेतु आरो वाटर प्लांट के साथ साथ सीमेंट की सड़को का निर्माण करा रहा है। साथ ही आजीविका उन्नयन के लिए कई गतिविधियां संचालित करने के प्रयास किए जा रहे है।

रजत जयंती पर किये गए औपचारिक कार्यक्रम

मालखरौदा। निकटवर्ती ग्राम बीरभाठा में 8 नवंबर की रात्रि को रजत जयंती के अवसर पर भव्य झमाझम डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच बुद्धेश्वर नाविक और अतिथियों ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर किया। शुरुआत आंगनवाड़ी केंद्र और स्कूल की नन्ही बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत राज्य गीत से हुई, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ठंडी रात में भी ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंच पर क्षेत्रीय और बाहरी कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियों से समा बांध दिया।

प्रतियोगिता में भिलाई की प्रतिमा ग्रुप ने मां दुर्गा के नौ रूपों की अद्भुत प्रस्तुति देकर दर्शकों को रोमांचित किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को किशोर नाविक ने ?10,001 का नगद पुरस्कार और सम्मान पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव देर रात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें मंच देने की आवश्यकता है। ग्राम बीरभाठा ने साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र भी सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

प्रतियोगिता में दूसरा स्थान छत्तीसगढ़ धरोहर ग्रुप कोरबा, तीसरा शरारा ग्रुप भटगांव, चौथा ए-1 स्टेप झांझरगुड़ा (उड़ीसा), पांचवां जय मां बंजारी शक्ति, छठवां मन के मिता कसडोल, सातवां नन्हे संगवारी जांजगीर, आठवां शहजाद ग्रुप खोखरा, नौवां शिवानी ग्रुप लैलूंगा और दसवां मोहिनी ग्रुप कलमा बैराज ने हासिल किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सुलेख नाविक और उमेंद्र यादव ने अत्यंत आकर्षक शैली में किया। दोनों ने अपनी हाजिरजवाबी और ऊर्जावान प्रस्तुति से दर्शकों को सूर्योदय तक बांधे रखा। आयोजन समिति की ओर से सरपंच बुद्धेश्वर नाविक, वोट लाल केवट, रामेश्वर यादव सहित सभी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित अतिथियों, सहयोगियों और ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। रातभर चले इस सांस्कृतिक उत्सव ने न केवल ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि बीरभाठा को क्षेत्र का सांस्कृतिक केंद्र बना दिया।

सरकारी धन का दुरूपयोग हो रहा निर्माण कार्यों में

बलौदा। बलौदा ब्लॉक के ग्राम मदनपुरगढ़ प्रायमरी स्कूल का भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। दीवारों में गहरी दरारें हैं और छत का प्लास्टर उखड़कर सरिया बाहर आ गई है। बच्चों के साथ कभी भी हादसा हो सकता है।

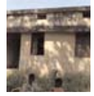

ग्राम पंचायत रैनपुर के आश्रित ग्राम मदनपुरगढ़ की इस स्कूल में पहली से पांचवीं तक कुल 70 बच्चे पढ़ते हैं। पांच कक्षाओं के लिए केवल दो कमरे और एक बरामदा उपलब्ध है, जिसमें किसी तरह पढ़ाई कराई जा रही है। भवन की हालत इतनी खराब है कि वह बच्चों और शिक्षकों के लिए खतरा बन गया है। यहां प्रधानपाठक सुरेश कैवर्त और दो शिक्षक पदस्थ हैं।

इस स्कूल में 13 वर्ष पूर्व दो अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कराया गया था, लेकिन आज तक उन्हें स्कूल को हैंडओवर नहीं किया गया। बिना उपयोग के ही वे कक्ष जर्जर हो गए हैं। खिड़की-दरवाजे चोरी हो चुके हैं। एक अतिरिक्त कक्ष में मध्याह्न भोजन बनाया जा रहा है।

भवन बनाने के लिए शासन को पत्र लिखा- बीईओ प्रभारी बीईओ बलौदा रवि गौतम ने बताया कि मदनपुरगढ़ के जर्जर स्कूल भवन की जगह नया भवन निर्माण या उसी भवन की मरम्मत के लिए विभाग को लिखा जा चुका है। अतिरिक्त कक्ष के हैंडओवर न होने की जानकारी उन्हें नहीं है।

कई स्थान पर भू-स्खलन की तस्वीरें नहीं दिख रही अफसरो को

मालखरौदा। अनुविभाग क्षेत्र के छोटे सीपत से गोबराभाठा मेन रोड तक बने मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम कनाईडीह में सड़क सुरक्षा के लिए बनाई गई सीमेंटेड टोवाल अब खुद खतरे का कारण बन गई हैं।

सड़क के दोनों ओर बनी ये सुरक्षात्मक दीवारें जमीन धंसने के कारण कमजोर हो चुकी हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण एडीबी कंपनी द्वारा किया गया था, जिसे एक वर्ष में पूरा होना था, लेकिन यह कार्य लगभग पांच वर्षों में धीमी गति से पूरा हुआ।

ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण की गुणवत्ता बेहद खराब रही है। कई स्थानों पर सड़क अधूरी है और जहां काम पूरा हुआ, वहां सीमेंटेड हिस्से अब धंसने लगे हैं। कनाईडीह के संकरे हिस्से में वाहनों के गुजरने के दौरान दोपहिया और चारपहिया चालकों को खतरा बना हुआ है। यदि किसी वाहन का पहिया धंसे हिस्से पर चढ़ गया तो पलटने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह निर्माण कार्य मानकों के विपरीत किया गया था और अब कंपनी की लापरवाही सामने आ रही है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से तत्काल सुधार कार्य कराने की मांग की है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

धान खरीदी काम बिल्कुल नहीं करना चाहते पटवारी

जांजगीर-चांपा। जिले के राजस्व पटवारी संघ ने धान खरीदी केंद्रों में सह-खरीदी प्रभारी के रूप में अपनी नियुक्ति पर आपत्ति जताई है। संघ ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए पटवारियों को धान खरीदी कार्य से पूरी तरह मुक्त करने की मांग की है और इस संबंध में कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा है।

जिला पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कलेक्टर खाद्य सुरक्षा शाखा ने 7 नवंबर 2025 को धान उपार्जन 2025 के तहत एक संशोधित आदेश जारी किया था। इस आदेश के अनुसार, पटवारियों को सह-खरीदी प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

संघ ने इस आदेश पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि वर्तमान में राजस्व विभाग के कई महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं, जिनमें पटवारियों की अहम भूमिका होती है। यदि उन्हें धान खरीदी कार्यों में लगाया जाता है, तो राजस्व संबंधी कार्य गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।

राजस्व पटवारी संघ ने अपने ज्ञापन में मांग की है कि उक्त आदेश को तत्काल संशोधित किया जाए और पटवारियों को धान खरीदी केंद्रों के कार्य से मुक्त किया जाए।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश वापस नहीं लिया जाता है, तो जिले के सभी पटवारी इस कार्य का बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे।संघ ने स्पष्ट किया है कि वे धान खरीदी केंद्रों में सह-खरीदी प्रभारी के रूप में कार्य करने के लिए सहमत नहीं हैं।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद आरपीएफ ने बढ़ाई सुरक्षा

जांजगीर। दिल्ली के लाल किले के पास हाल ही में हुए कार ब्लास्ट के बाद देशभर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चांपा रेलवे स्टेशन पर भी देर रात सर्च अभियान चलाया गया।

स्टेशन प्रबंधन और रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों की पहचान और सुरक्षा को लेकर विशेष चेकिंग की गई। वेटिंग रूम, प्लेटफार्म और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लगेज लेकर व स्टेशन परिसर में बैठे यात्रियों से पूछताछ की गई। रेलवे सुरक्षा बल ने पेट्रोलिंग कर स्टेशन परिसर की निगरानी की और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

तालाब में डूबने से मौत परिवार को मिली मदद

सक्ती। डूबने से मौत मामले में पीड़ित परिवार को शासन की ओर से आर्थिक सहायता दी गई है। आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। राजस्व पुस्तक परिपत्र के मापदंडों के अनुसार, वार्ड नंबर 2 सक्ती निवासी एक मृतक के निकटतम वारिस को 4 लाख रुपए की अनुदान राशि मंजूर की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, सक्ती जिले की तहसील सक्ती अंतर्गत वार्ड नंबर 2 के निवासी अयान सतनामी की मृत्यु तालाब के पानी में डूबने के कारण हो गई थी। इस घटना को प्राकृतिक आपदा से होने वाली क्षति मानते हुए, शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और दरों के तहत यह आर्थिक सहायता दी गई है।

20 हजार रूपए की लगा दी चपत

जांजगीर। डभरा थाना क्षेत्र के अटल परिसर में सोमवार सुबह दो बाइक सवार युवकों ने सब्जी दुकान से रुपए से भरा बैग चोरी कर लिया। वारदात उस समय हुई जब महिला ग्राहकों को सब्जी दे रही थी। करीब 10 बजे दोनों युवक दुकान पर पहुंचे, प्याज का भाव पूछकर दो किलो प्याज खरीदा और अदरक-मिर्च मांगते हुए महिला को बातचीत में उलझाए रखा। इसी दौरान एक युवक ने काउंटर से बैग गायब कर दिया। महिला ने जब बैग उठाने की कोशिश की तो वह नहीं मिला। बैग में करीब 18 से 20 हजार रुपए थे। महिला ने आसपास के लोगों को जानकारी दी, लेकिन आरोपी बाइक से भाग चुके थे। घटना की सूचना डभरा थाना पुलिस को दी गई है।

कमरीद में अवैध विवाह पर लगाया ब्रेक

जांजगीर। जिला प्रशासन ने कमरीद में बाल विवाह को समय रहते रोक दिया। सूचना मिलने के तुरंत बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अनिता अग्रवाल और जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि विकासखंड पामगढ़ के कमरीद में किशोरी के घर जाकर उसकी अंकसूची की जांच की गई। जांच में पाया कि बालिका की उम्र केवल 16 वर्ष 5 माह थी, जो विवाह के लिए निर्धारित कानूनी उम्र 18 वर्ष से कम है। इसके बाद अधिकारियों ने बालिका, उसके माता-पिता और स्थानीय लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया और जागरूक किया।

गड्ढा नजर नहीं आया, ट्रक पलटा

मालखरौदा। राज्य मार्ग क्रमांक 16 छपोरा-सक्ती मुख्य सड़क पर सोमवार सुबह ग्राम छोटे सीपत के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पानी की पाइपलाइन डालने के लिए सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे में डस्ट से भरा एक भारी ट्रक पलट गया। चालक और परिचालक दोनों सुरक्षित बच गए। यह हादसा सुबह करीब 5 बजे उस समय हुआ, जब ट्रक चालक सामने से आ रही एक अन्य गाड़ी को साइड देने की कोशिश कर रहा था। मिरौनी बैराज से पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है, जिसके तहत सड़क किनारे कई स्थानों पर गहरे गड्ढे खोदे गए हैं। इसी में ट्रक के फंसने से हादसा हो गया।

किसी आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता नदारद तो कहीं गंदगी

रायगढ़। आंगनबाड़ी केंद्र संचालन के समय केंद्र को सहायिका के भरोसे छोड़कर कार्यकर्ता प्रशिक्षण में चलीं गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जब सुबह केंद्रों का निरीक्षण किया तो केंद्रों में साफ सफाई का अभाव पाया गया। डीपीओ ने तीन केंद्रों के कार्यकर्ताओं को शोकॉज नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एलआर कच्छप ने 7 नवंबर को बाल विकास परियोजना मुकडेगा के आंगनबाड़ी केंद्र लिबरा, कमरगा, मुडापारा केंद्र का सुबह 10.30 से 12 बजे के बीच औचक निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र लिबरा में दर्ज संख्या की तुलना में कम ही बच्चे केंद्र में आए थे, साथ ही यहां सफाई पर भी ध्यान नहीं दिया गया था। इसके अलावा इस केंद्र की कार्यकर्ता प्रशिक्षण में चली गई थीं, केंद्र में केवल सहायिका थी। यहां के बाद डीपीओ कच्छप करीब 11 बजे मुड़ापारा आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे यह केंद्र खुला ही नहीं था। केंद्र को बंद करके कार्यकर्ता प्रशिक्षण में गई थी। यहां केंद्र में सहायिका भी नहीं थी, इस वजह से बच्चों को पूरक पोषण आहार भी नहीं मिल पाया।

एडवोकेट चंद्रप्रकाश विश्वविद्यालय के टॉपर बनने पर गोल्ड मेडल से किये गए सम्मानित

सक्ती। नगर के युवा अधिवक्ता चंद्रप्रकाश चौबे ने अपनी लगन, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल सक्ती का बल्कि पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर की विधि शाखा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय टॉपर का गौरव हासिल किया और गोल्ड मेडल से सम्मानित हुए।

चंद्रप्रकाश चौबे, जिला अधिवक्ता संघ सक्ती के पूर्व अध्यक्ष एवं सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित दिगंबर प्रसाद चौबे के सुपुत्र हैं और वर्तमान में उच्च न्यायालय बिलासपुर में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस कर रहे हैं। पिता की विद्वता और अनुशासन को जीवन का आदर्श मानते हुए उन्होंने पढ़ाई के दौरान सदैव मेहनत और निष्ठा को प्राथमिकता दी।

उनकी इस उपलब्धि से सक्ती के अधिवक्ता समुदाय, ब्राह्मण समाज, शिक्षकों और नगरवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। सभी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नगरवासियों का कहना है कि चंद्रप्रकाश चौबे की यह सफलता सक्ती के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह साबित करती है कि समर्पण और मेहनत से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी उनकी मेधावी प्रतिभा की सराहना की है। आगामी दीक्षांत समारोह में उन्हें विधिवत गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा।

कुरदा पंचायत में जिला पंचायत सदस्य ने सुनी लोगों की समस्याएं, दिया आश्वासन

सक्ती। विधानसभा के ग्राम पंचायत कुरदा में सभापति और जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने अपने क्षेत्र के दौरे के दौरान ग्राम कुरदा में आम सभा का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। सभा में ग्रामीणों ने सड़क मरम्मत, पेयजल सुविधा, आंगनबाड़ी भवन की स्थिति, बिजली व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई समस्याओं को रखा। धर्मेंद्र ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और प्रत्येक ग्राम को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त किया जाएगा।

सभा के बाद उन्होंने सरकारी स्कूल का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की संख्या तथा शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए बच्चों की शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की बात कही। इसके बाद उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और बच्चों को दी जा रही पोषण सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। इस अवसर पर रतिराम सिदार, कमल राठौर, जगदीश गबेल, सूरज सोना, कुरदा सरपंच भुवन यादव, चंद्र कुमार, लव कुमार काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गांव में झगड़े-विवाद करने वाला बदमाश जिला बदर

जांजगीर। मुलमुला थाना क्षेत्र के कोसा निवासी गौरी उर्फ रोहित बर्मन को कलेक्टर ने जिला बदर कर दिया है। वह पिछले पांच वर्षों से गांव में विवाद और मारपीट की घटनाओं में शामिल रहा है। उसकी गुंडागर्दी से ग्रामीण लंबे समय से परेशान थे। मुलमुला थाने में हर साल उसके खिलाफ कई अपराध दर्ज हुए हैं। गौरी के खिलाफ अगस्त 2021, दिसंबर 2021, अप्रैल 2025, जून 2025 और जुलाई 2025 में मारपीट और गाली-गलौज के कई प्रकरण दर्ज हुए हैं। पुलिस ने उसे कई बार गिरफ्तार भी किया है। लगातार बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए उसे छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 3 और 5 के तहत जिला बदर किया है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के प्रस्ताव पर यह कार्रवाई की। गौरी के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में 16 आपराधिक प्रकरण और 21 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई दर्ज हैं। आदेश जारी होने के 24 घंटे के भीतर गौरी को सक्ती, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और बलौदाबाजार की सीमाओं से बाहर जाना होगा।

पीड़िता को बहला फुसलाकर ले जाने वाला गिरफ्तार

बाराद्वार। बाराद्वार थाना क्षेत्र में दुराचार मामले में सहयोग करने वाले आरोपी निकेश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। मुख्य आरोपी देवराज चौहान को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। निकेश घटना के बाद से फरार था, जिसे 11 नवम्बर को पकड़ा गया। इसके बाद कोर्ट में पेश किया गया।

5 जनवरी से 20 अप्रैल तक मिलेगा नहर से पानी

जांजगीर। जिले में आगामी रबी सीजन के लिए सिंचाई कार्यक्रम का निर्धारण करते हुए जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक 11 नवंबर 2025 को कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने की। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास कश्यप, विधायक पामगढ़ शेषराज हरबंश, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार साहू, गुलाब सिंह चंदेल, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, दिनेश शर्मा, संदीप तिवारी, दुष्यंत सिंह, कोमल पटेल सहित अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, उप संचालक कृषि, उप प्रबंधक बीज निगम तथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में समिति के सचिव और कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर ने बताया कि नहर मरम्मत कार्य प्रगतिरत क्षेत्रों में पानी मरम्मत पूर्ण होने के बाद ही दिया जाएगा। विशेष रूप से बायीं तट नहर प्रणाली और दांयीं तट नहर प्रणाली की अकलतरा शाखा नहर के 32 कि.मी. (ग्राम पामगढ़) के नीचे पानी पूरी तरह बंद रहेगा। वहीं, जांजगीर शाखा नहर प्रणाली के अंतर्गत मुड़पार शाखा नहर के 8 कि.मी. (ग्राम सेमरा) तक तथा नवागढ़ शाखा नहर के 16 कि.मी. (ग्राम खैरताल) तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में उपस्थित कृषकगण को जानकारी दी गई कि रबी सिंचाई हेतु प्रस्तावित गांवों और रकबा की सूची जल संसाधन विभाग के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रबी सिंचाई का पानी 5 जनवरी 26 से 20 अप्रैल 26 तक उपलब्ध कराया जाएगा।

इस दौरान निस्तारी के लिए तालाबों को भरने के लिए भी पानी दिया जाएगा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कृषि विभाग और बीज निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल संसाधन विभाग द्वारा प्रस्तावित रकबे के अनुसार रबी सीजन की तैयारी पूर्ण करें और किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि सिंचाई की सही योजना और समयबद्ध वितरण से किसानों को फसल उत्पादन में लाभ मिलेगा और कृषि गतिविधियों में व्यवधान नहीं आएगा। बैठक के दौरान सभी अधिकारियों और कृषक प्रतिनिधियों ने रबी सिंचाई कार्यक्रम की प्रभावी योजना बनाने और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। बैठक का समापन कलेक्टर के धन्यवाद ज्ञापन और कृषि विकास में सहयोग के आह्वान के साथ हुआ।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I NITIN KUKREJA S/O OM PRAKASH KUKREJA, resident of HOUSE NO. 51 WARD NO. 14 HARETHI ROAD SAKTI (C. G). have changed my old name NITIN KUKREJA S/O OM PRAKASH , so in future I should be recognized by my new name that is NITIN KUKREJA S/O OM PRAKASH KUKREJA in Government and other documents vide Affidavit No. 0012103375 dated 10/11/2025 before Notary Alka Rani Jaiswal

NITIN KUKREJA S/O OM PRAKASH KUKREJA
HOUSE NO. 51
WARD NO. 14
HARETHI ROAD SAKTI (C. G)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी कटघोरा, जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. ....
बी-121/2025-26
ग्राम- डुड़गा, प.ह.नं.-09
तहसील-कटघोरा, जिला- कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा आम जनता मौजा डुड़गा प.ह.नं. 09 रा.नि.मं. व तहसील-कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुद्रिका प्रसाद डिक्सेना, पिता जवाहर लाल उम्र 57 वर्ष जाति-कलार निवासी ग्राम-वार्ड क्र. 02 तहसील भांठा, तह. कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम-डुड़गा प.ह.नं 09 तह.-कटघोरा स्थित भूमि के खसरा नं. 81/2, 110/1, 672 रकबा क्रमशः 0.1010, 0.057, 0.113 हे. आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि खसरा नं. 81/2, 110/1, 672 रकबा 0.1010, 0.057, 0.113 हे. भूमि का ऋण पुस्तिका/किसान किताब अन्यत्र कहीं गुम हो गया है। जिसका द्वितीय ऋण पुस्तिका/किसान किताब जारी किया जाना न्यायालय तहसीलदार कटघोरा के समक्ष प्रस्तुत करने पर आवेदक द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा-आपत्ति हो तो व अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27.11.2025 को न्यायालयीन समय 11:00 बजे उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात किये जाने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 06.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
कटघोरा, जिला- कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दर्री जिला- कोरबा (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.202509050400011
श्रीणी-अ-21/2024-25
ग्राम- लाटा, प.ह.नं.-26
तहसील-दर्री, जिला- कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स सृजन बिल्डर्स भागीदार श्री हरीश परसाई/अशोक अग्रवाल निवासी कोरबा तहसील व जिला कोरबा के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम लाटा स्थित प.ह.नं.-26 तहसील दर्री जिला कोरबा स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 17/3, 19, 30/1, 30/2 कुल रकबा 3.31 एकड़ भूमि पर निर्मित भूखण्ड क्रमांक-61 क्षेत्रफल 1400 वर्गफीट को प्रस्तावित क्रेती श्रीमती कृष्णा बाई पति श्री पुनी दास जाति पनिका मकान नं.-1144, आनंद नगर भैरोताल गेवरा बस्ती कोरबा जिला कोरबा को पास विक्रय किये जाने अनुमति बाबत् आवेदन छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 165 (6क) के तहत प्रस्तुत किया है जो कि जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा-आपत्ति हो तो वह दिनांक 20.11.2025 के पूर्व स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से जो कुछ भी हो प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
दर्री, जिला- कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय वनमंडलाधिकारी कटघोरा वनमण्डल, कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

फोन/फैक्स नं.07815-250157

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कटघोरा वनमण्डल के अंतर्गत कसनिया काष्ठागार में नीलाम दिनांक 18.11.2025 को रखी गई निम्नानुसार ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा/व्यापारिक बांस/औद्योगिक बांस का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/काष्ठागार कसनिया से प्राप्त की जा सकती है।

अ. .क्र	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष		योग	
		लट्ठा	बल्ली/डेंगरी	लट्ठा	बल्ली/डेंगरी
		घ.मी.	नग	घ.मी.	
1	सागौन	311.448	5693	311.448	5693
2	साल	3736.232	3341	3736.232	3341
3	बीजा	138.890	140	138.890	140
4	तिसा	0.218	-	0.218	-
5	शीशम	-	-	-	-
6	खम्हार	1.281	40	1.281	40
7	हल्दू	10.442	13	10.442	13
8	साजा	64.519	233	64.519	233
9	धावड़ा	9.500	37	9.500	37
10	सलिहा	1.953	-	1.953	-
11	नीलगिरी	0.000	0.	0.000	0
12	शीशु	1.507	-	1.507	-
13	अन्य	515.361	1116	515.361	1116
14	तेन्दू	9.497	7	9.497	7
	योग (काष्ठ)	**4800.848**	**10620**	**4800.848**	**10620**
15	सागौन जलाऊ	8	चट्टा	8	चट्टा
16	सतकठा जलाऊ	324	चट्टा	324	चट्टा
17	सलिहा जलाऊ	5	चट्टा	5	चट्टा
	योग (जलाऊ)	**337**	**चट्टा**	**337**	**चट्टा**
18	औद्योगिक बांस	348	बण्डल	348	बण्डल
	बण्डल	2.899	नो.टन	3	नो. टन
	योग (बांस)	2.899	नो. टन	2.889	नो.टन

जी-252604634/6

वनमण्डलाधिकारी
कटघोरा वनमण्डल कटघोरा

अनमोल वचन......

पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है!

सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, लेकिन इसके भीतर अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- 'भारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है।' अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में योगदान 55 फीसदी से अधिक है, मगर यह कुल रोजगार में इसका हिस्सा एक तिहाई ही है- और उसमें भी ज्यादातर कम वेतन वाली और अनौपचारिक नौकरियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के अंत तक सेवा क्षेत्र में 18 करोड़ 80 लाख लोगों को काम मिला हुआ था। मगर रोजगार का यह क्षेत्र 'गहरे ढांचागत विभाजन' का शिकार है।एक तरफ सूचना तकनीक, वित्त, स्वास्थ्य, और पेशेवर सेवाओं में उच्चस्तरीय रोजगार हैं, तो दूसरी ओर अनौपचारिक क्षेत्र है जिसके भीतर 55.7 प्रतिशत कर्मी स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। बिना सामाजिक सुरक्षा वाले वेतनभोगी कर्मियों की संख्या 29 फीसदी है। 9.2 प्रतिशत लोग घरेलू कामकाज में सहायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि 6.2 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं। स्पष्ट है, सेवा क्षेत्र ज्यादातर कर्मियों को किसी तरह जीने का सहारा भर दे रहा है। लेकिन उससे ऐसे उपभोक्ता तैयार नहीं हो सकते, जो बाजार का विस्तार करें। तो आयोग ने कहा है कि सेवा क्षेत्र के लिए नए नीतिगत नजरिए की जरूरत है, जिसका मकसद इस क्षेत्र को औपचारिक रूप देना हो। मगर ऐसा कह भर देने से तो नहीं होगा! महिलाओं और युवाओं में कौशल विकसित करने, डिजिटल एवं ग्रीन अर्थव्यवस्था की तकनीक में निवेश करते हुए उसके लिए कर्मी तैयार करने, और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीतियां लागू करने जैसे नीति आयोग के सुझाव गौरतलब हैं। मगर मुद्दा यह है कि ये काम कौन करेगा। क्या सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर डालने के लिए वैधानिक उपायों पर सख्ती से अमल के लिए सरकार तैयार है। क्या इसके लिए सरकार अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप की भूमिका अपनाएगी।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे, आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारियां दी हुई हैं उसे आप आसानी से निभा लेंगे। इस राशि के जो लोग फर्नीचर का व्यापार कर रहे है, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा।

मिथुन राशि : कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको शांत मन से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपकी मदद मांगेंगे। समाज में आज आप अपने बढ़िया कार्यों के कारण पहचाने जाएंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहें छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि : आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे, जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। कुछ विरोधी आपके काम में समस्याएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति आपको अपना स्वभाव सुधारना होगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको पैसों की जरूरत पड़ सकती है। आज आपको बेवजह की उलझने लेने से बचने की जरूरत है।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होने से उलझन होगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा। आप आज किसी से अपने मन की बातों को शेयर करेंगे और वह आपकी बातों को अहमियत देगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करेंगे। आज किसी कामों को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपको समझ नहीं आएगा कि किसे पहले करें और किसे बाद में। कंप्यूटर के स्टूडेंट्स को कुछ अच्छा सीखने का मौका मिलेगा। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

कुंभ राशिः आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेट आज साथ में समय बिताएंगे। रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी।

मीन राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिए आपको ओवर टाइम करना पड़ेगा। रुपए- पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जाएंगे। टूर-एंड-ट्रेवल्स संबंधी कार्यों में अच्छा लाभ होगा। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

भारत की श्रम संहिताएंः अनौपचारिकता से समावेशन की ओर

//कार्तिक नारायण//

जैसे विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने भीतर देख रहे हैं। ऐसे में भारत को भी औपचारिक, औचित्यपूर्ण और गरिमामय रोजगार पैदा कर आगे बढ़ना होगा। समूची दुनिया में आव्रजन को लेकर चिंता, अर्थव्यवस्थाओं और राजनीतिक व्यवस्थाओं को नया स्वरूप दे रही है। वैश्विक प्रतिभाओं का स्वागत करने वाले देश अब बदल रहे हैं, वे वैश्विक प्रतिभाओं के लिए पुल बनाने के बजाय अवरोध पैदा कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभाओं की तलाश अपने अंदर ही शुरू कर दी है। भारत इस बदलती हुई दुनिया में संपन्नता के लिए सिर्फ प्रतिभाओं के निर्यात पर निर्भर नहीं रह सकता। हमें उत्पादन के साथ ही अवसरों के लिहाज से भी आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके जरिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी प्रगति के साथ ही देश में अच्छे भुगतान वाले, मानकीकृत और गरिमापूर्ण रोजगार पैदा हों।

मार्टिन लूथर किंग ने एक समय कहा था, ''मानवता को ऊपर उठाने वाले हर श्रम की गरिमा और महत्व है। इसे श्रमसाध्य उत्कृष्टता के साथ किया जाना चाहिए।'' भारत की नई श्रम संहिताएं इस आदर्श को जमीन पर उतारने की दिशा में एक कदम हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश को बनाने, आगे ले जाने और शक्ति देने वाले लाखों लोग सिर्फ कामगार नहीं हों, बल्कि प्रगति में हिस्सेदार बनें। इन संहिताओं का लक्ष्य अनौपचारिकता को समावेशन, स्वेच्छा को आंकड़ों और असुरक्षा को सुदृश्यता से बदल कर काम की गरिमा बहाल करना है।

भारत का श्रम परिवेश वर्षों से पैबंदों वाली दरी के समान रहा है। देश के 29 श्रम कानून बेशक अच्छे इरादे से लाए गए हों लेकिन सब मिल कर अस्पष्टता पैदा करते रहे थे। इसके परिणामस्वरूप अकुशलता का संतुलन दिखाई पड़ता था। कामगार में असुरक्षा थी और नियोक्ता संदेह में रहते थे। सरकार ने इन कानूनों को वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा की चार संहिताओं में पिरो देने का फैसला किया। यह कदम सिर्फ एक प्रशासनिक सुधार नहीं है। आधुनिकीकरण के इस अभियान में स्वीकार किया गया है कि संरक्षण और उत्पादकता को एक साथ मिलकर बढ़ना चाहिए।

इस सुधार का संबंध दृश्यता से है। नियुक्तिपत्र, वेतन की पर्ची और डिजिटल रिकॉर्ड के बिना कामगार, सरकार और बाजार दोनों की ही नजरों से ओझल रहता है। औपचारीकरण इस स्थिति में बदलाव लाता है। लिखित प्रमाण वाला हर रोजगार एक ऐसा जीवन पैदा करता है जिसकी मान्यता हो। हर डिजिटल रिकॉर्ड सामाजिक सुरक्षा से लेकर बीमा और गतिशीलता तक जाने वाला पुल होता है। यह बदलाव नियोक्ताओं को भी अनिश्चितता के बजाय एक ढांचा और स्वेच्छा की जगह आंकड़े प्रदान करता है। नियुक्ति के हर संबंध का रिकॉर्ड हो तो विश्वास को एक बुनियाद मिल जाती है।वेतन को ही लें। भारत में विभिन्न राज्यों और उद्योगों की अलग-अलग हजारों न्यूनतम मजदूरी दरें थीं। आस-पड़ोस के जिलों के कामगारों तक को एक ही काम के लिए काफी अलग-अलग रकम मिलती थी। वेतन संहिता में मजदूरियों की एक समान परिभाषा के साथ राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी स्थापित की गई। इसके जरिए सुनिश्चित किया गया कि किसी को भी एक गरिमापूर्ण न्यूनतम सीमा से नीचे मजदूरी नहीं मिले तथा समान कार्य के लिए एक बराबर मजदूरी सिर्फ आडंबर नहीं, बल्कि नियम बन जाए। इससे श्रम के एक से दूसरे स्थान पर गमन में भी मदद मिलती है। इस संहिता ने सुनिश्चित किया कि एक से दूसरे राज्य में जाने वाले मजदूर के वेतन के अधिकार भी उसके साथ चलें।

औद्योगिक संबंध संहिता लचीलेपन और निष्पक्षता के बीच एक समान संतुलन बनाती है। भारत की अर्थव्यवस्था अब विनिर्माण, सेवाओं और तेज़ी से बढ़ते गिग क्षेत्र का मिश्रण है। लॉजिस्टिक्स, खुदरा और निर्माण जैसे कई उद्योग मौसमी माँग और परियोजना-आधारित कार्य के साथ संचालित होते हैं। निश्चित अवधि के अनुबंध अब वैध और मानकीकृत हो गए हैं। अब कंपनियां वेतन या लाभ की समानता से समझौता किए बिना नियुक्ति कर सकती हैं। कर्मचारियों के लिए लचीलेपन का मतलब अब असुरक्षा नहीं है। पुनर्कौशल निधि का निर्माण प्रतिक्रियात्मक कल्याण से सक्रिय रोज़गार की ओर बदलाव का संकेत है। नौकरी छूटने का मतलब अब चट्टान से गिरना नहीं है, यह नया सीखने और पुनः प्रवेश करने का एक सेतु बन जाता है। सामाजिक सुरक्षा संहिता यह मानती है कि भारत का कार्यबल अब फ़ैक्टरियों तक ही सीमित नहीं है। ड्राइवर, डिलीवरी पार्टनर और फ्रीलांसर जैसे काम डिजिटल अर्थव्यवस्था के नए निर्माता हैं और अब सुरक्षा के दायरे में भी हैं। यह स्वीकार करते हुए कि काम की प्रकृति बदलती रहती है लेकिन सुरक्षा की ज़रूरत नहीं बदलती, नए प्लेटफ़ॉर्म उनके कल्याण के लिए केंद्रीय कोष में योगदान देंगे। स्व-मूल्यांकन, संगठित फाइलिंग और डिजिटल रिकॉर्ड, कागज़ों के ढेर की जगह पारदर्शिता और फाइल का शीघ्र पता लगाने की क्षमता बढ़ाते हैं। इससे अनुपालन सरल हो जाता है और नीति-निर्माण अधिक स्मार्ट हो जाता है।

प्रतिष्ठा और सुरक्षा पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संहिता केवल व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां हेलमेट और रेलिंग लगाने के बारे में ही नहीं बनाई गई हैं। यह कार्यस्थल पर सम्मान के लिए बनाई गई हैं। नियुक्ति पत्र अनिवार्य हो गए हैं, स्वास्थ्य जाँच के मानक बनाये गए हैं और महिलाएँ अब सभी क्षेत्रों और शिफ्टों में काम कर सकती हैं, बशर्ते सुरक्षा उपायों में ऐसा प्रावधान सुनिश्चित किया गया हो जिससे बड़ी संख्या में महिलाएँ कार्यबल में शामिल हो सकें। प्रवासी मज़दूर, जिन्हें लंबे समय से अपने ही देश में बाहरी समझा जाता रहा है, अब जहाँ भी वे काम करते हैं, कल्याणकारी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। यह समावेशन का वास्तविक रूप कहा जा सकता है।

सरलीकरण को शायद सबसे कम होने वाले लाभ के रूप में आंका गया है। अब 29 की बजाय एक पंजीकरण, एक लाइसेंस, एक रिटर्न भरना है। निरीक्षक अब सुविधा प्रदाता हैं। अनुपालन की बातचीत दंड की बजाए साझेदारी की ओर बढ़ रही है। छोटे उद्यमों के लिए जो भारत के रोज़गार की रीढ़ हैं, उनकी सुविधा के लिए अब अनुमोदन के लिए कम और व्यवसाय निर्माण के लिए अधिक समय है। औपचारिकता सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है, यह उत्पादकता बढ़ाती है।

कार्यान्वयन में समय लग सकता है। राज्यों को अपने नियमों को एक समान बनाना होगा, डिजिटल प्रणालियों को सुचारू रूप से काम करना होगा, और नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों को एक दूसरे के अनुकूल बनाना होगा। लेकिन दिशा मायने रखती है। ये संहिताएँ एक स्पष्ट संकेत देती हैं। भारत एक ऐसा देश बनना चाहता है जहाँ नौकरियाँ न केवल सृजित हों, बल्कि उनकी गणना भी हो जिनमें लचीलापन और निष्पक्षता हो और जहाँ श्रमिक और नियोक्ता समान भागीदार हों, न कि एक दूसरे के विरोधी।

विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने अंदर की ओर देख रहे हैं। भारत को अपनी घरेलू श्रम प्रणाली को मज़बूत करना होगा जो पारदर्शी, सुवाह्य और निष्पक्ष हो। इन सुधारों का असली फ़ायदा तब महसूस होगा जब भारत का विकास न केवल ज़्यादा रोज़गारों से, बल्कि बेहतर औपचारिक, उच्च-वेतन और सम्मानजनक रोज़गार से भी प्रेरित हो।

इन सुधारों का अगर सावधानी और निरंतरता के साथ क्रियान्वयन किया जाए, तो ये सुधार भारत की कार्यप्रणाली को नया रूप दे सकते हैं। ये अनौपचारिकता को समावेशिता में और काम को गरिमा में बदल सकते हैं। इसको सही रूप में व्यक्त करने के लिए कर्नाटक के 12वीं सदी के बासवन्ना के इस शाश्वत संदेश कायाकावे कैलासा- काम ही स्वर्ग है से बेहतर शायद ही कोई और विचार हो। उनका आंदोलन मोची से लेकर विद्वान तक, ईमानदारी से किए गए हर पेशे को पवित्र मानता था। नई श्रम संहिताएँ इसी भावना को आगे बढ़ाती हैं कि गरिमा पद में नहीं, बल्कि प्रयास में निहित है। क्योंकि अंततः सुधार की असली परीक्षा उसके पारित होने में नहीं, बल्कि उसको व्यवहार में लाने पर होती है।

राहुल गांधी न डिगे न फिसले

//हरिशंकर व्यास//

बिहार के चुनाव में कोई जीते-हारे, पर राहुल गांधी की गूंज बढ़ेगी। राहुल गांधी अब वह चेहरा है जो न केवल निडरता का पर्याय है, बल्कि अकेला चेहरा है, जिससे भारत में विपक्ष जिंदा दिखता है। सोचें राहुल गांधी नहीं होते तो तेजस्वी हों या अखिलेश या कांग्रेस के एक्स-वाई-जेड नेता उनसे मोदी सरकार का क्या बिगड़ना था। तब प्रधानमंत्री मोदी का विरोध तो दूर उन्हें टोकने वाला भी नहीं होता। याद करें कि अरविंद केजरीवाल से ले कर ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, वाम मोर्चे के नेताओं के पिछले ग्यारह वर्षों में मोदी सरकार, भाजपा, आरएसएस और हिंदू राजनीति के खिलाफ क्या सुर निकले हैं। जो अखबार-मीडिया कभी प्रधानमंत्रियों याकि वाजपेयी-मनमोहन की सरकारों के खिलाफ गला फाड़ चिल्लाता था वह मोदी राज में कैसा रेंगता हुआ है! लोकतंत्र की तमाम एजेंसियां, अदालत हों या सीएजी या चुनाव आयोग कैसे आज मौन या मिमियाते हुए हैं।

हां, ग्यारह वर्षों में मोदी सरकार ने प्रमाणित किया है कि हिंदुओं से ज्यादा भयाकुल, भूखा, झूठा जनमानस दुनिया में बिरला है। लोगों को झुकने के लिए कहो तो रेंगते हैं और दो हजार, पांच हजार, दस हजार रुपए की रेवड़ियों, सरकारी खैरात में लोकतांत्रिक स्वाभिमान, ईमानदारी को बेच खाते हैं। जुमलों, झांकियों और सरकारी खौफ में कथित पढ़े-लिखे भी वैसे ही हुकूम बजाते हैं, जैसे सदियों पहले अकबर के दरबार या ईस्ट इंडिया कंपनी के हरकारे बन कर बजाते थे।

इस सबके बीच में कौन सी एक बुलंद आवाज है? वे है राहुल गांधी! इसलिए क्योंकि राहुल गांधी बिका नहीं। राहुल गांधी झुका नहीं। राहुल गांधी डरा नहीं। न ही राहुल गांधी भूखा, लालची या भ्रष्ट है तो यह क्या 140 करोड़ लोगों की भीड़ में अनहोनी नहीं?

मैंने वाजपेयी के समय में भी लिखा था (और वह सही हुआ था) तथा मोदी-शाह के समय में भी लिखा है कि वाजपेयी का शाइनिंग इंडिया सोनिया गांधी का अवसर है। ऐसे ही राहुल घर बैठे कहे तब भी देरसबेर निर्भयता के बूते उभरेंगे। वाजपेयी के समय प्रमोद महाजन, जसवंत सिंह, वेंकैया-अनंत-जेटली-सुषमा, ब्रजेश मिश्रा ने अपने-अपने अहंकारों में वाजपेयी में खूब हवा फूंकी, शाईनिंग इंडिया हुआ बताया। सोनिया गांधी के जीरो अवसर। और क्या हुआ? वैसे ही अब अमित शाह, योगी और संघ परिवार नरेंद्र मोदी की झांकियों-लीलाओं में अवतार बूझते हैं। भारत विकसित, आत्मनिर्भर, विश्वगुरू और सुपर पॉवर वाला हो गया है, जबकि जमीनी हकीकत की नोटबंदी से ऑपरेशन सिंदूर की दास्तान का असल भारत अलग ही है।

पर मोदी-शाह की वेस्ट इंडिया कंपनी की वही खूबी है जैसे ईस्ट इंडिया कंपनी के चंद अंग्रेजों (सिर्फ कुछ हजार) ने अपनी भाव-भंगिमा, वेशभूषा, चेहरे की लाली, मुनाफे-व्यापार-पैसे से कभी बंगाल-बिहार-अवध के हिंदुस्तानियों में जादू, तिलिस्म बनाया था। उसी बूते वे फैलते गए तो मोदी राज भी फैला है। 2014 में हल्ला बनाने के नए औजारों जैसे सोशल मीडिया, 3डी होलोग्राफिक रैलियों, नमो रथ तथा छप्पन इंची छाती के जुमलों से शुरू हुआ सिलसिला लगातार चला हुआ है और भक्त माने हुए है कि नरेंद्र मोदी अवतार हैं और उनका कोई विकल्प नहीं है।

इस सबके बावजूद विरोध की एक आवाज! और वह राहुल गांधी की! इस आवाज को पिछले ग्यारह वर्षों में खत्म करने के लिए क्या नहीं हुआ? उसे पप्पू करार दिया। कांग्रेस को खत्म करने की हर संभव कोशिश हुई। कांग्रेसियों का दलबदल करा उन्हें मंत्री बनाया। मुकद्मे किए। राहुल गांधी को अभियुक्त बनाया। जेल में डालने के भय से लेकर भगोड़ा करार देने, उन्हें भ्रष्ट, चरित्रहीन करार देने के हर संभव उपाय और प्रचार हुए!

बावजूद इसके राहुल गांधी न डिगे न फिसले। सोचे, जहां एक कांस्टेबल या लाठी से अंबानी-अडानी से लेकर अफसर, गरीब-गुरबे सभी घबरा उठते है वही ऐसे समाज में राहुल गांधी का निर्भयी विरोध क्या मतलाब है। और यह सवाल ही हैरानी पैदा करने वाला है। राहुल गांधी ने अडानी-अंबानी, क्रोनी पूंजीवाद और भ्रष्टाचार पर बेबाकी से बोला है तो चुनाव प्रक्रिया, चुनाव आयोग पर भी बोला। उन सभी लोगों (कोई 55-60 प्रतिशत गैर-भाजपाई वोट) को आवाज दी है जो अखबार, राजनीति, टीवी, विधायिका, कार्यपालिका सभी तरफ अनुसनी में है। तय मानें राहुल गांधी पर कितना ही किंतु-परंतु हो पर इस सप्ताह चुनाव आयोग की बखिया उधेड़ने की प्रेस कांफ्रेंस के बाद लोगों में यह गूंज थी कि बंदा सही बोलता है और कभी न कभी तो पाप का घड़ा फूटेगा!

सब कुछ मोदी-शाह के प्रबंधन

और आईने में वही है जो लालू, राबड़ी और नीतीश का 45 साला जंगल राज है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डबल इंजन सरकार, विकसित भारत का चाहे जितना शोर बनवाएं वह सब बिहार में धूल है! मैंने 1984 के लोकसभा चुनाव से बिहार को कवर करते करते 45 साल खपा दिए पर यह शाश्वत सत्य यथावत है कि बिहार कभी नहीं बदल सकता और भारत भी नहीं! लालू-राबड़ी को अफसर (जैसे राजबाला वर्मा) चलाते थे वैसे नीतीश कुमार को दीपक कुमार आदि चलाते आए हैं। वैसे ही नरेंद्र मोदी को पीके मिश्रा, डोवाल, जयशंकर आदि अफसर। नीतीश ने खुद को, बिहार को सोशल इंजीनियरिंग में जर्जर बनाया तो नरेंद्र मोदी ने धर्म-जात की डबल इंजीनियरिंग में भारत को जर्जर!

पचास सालों से (जेपी आंदोलन के हल्ले से) बिहार में सामाजिक क्रांति देख रहा हूं। मगर उसी अनुपात में समाज पहचान की भूख का नशेड़ी बना रहा है। विकास नाम की चिड़िया कही नहीं। सब पॉवर, पहचान, गरीबी की तमाम दरिद्रताओं में जी रहे हैं। पचास साल पहले भी दिवाली-छठ पर लोग रेल-बस में कैटल क्लास की तरह आते जाते थे तो इस दफा भी छठ से पहले पूरे देश में बिहार के लोग वैसी ही नियति में सफर करते दिखे।नरेंद्र मोदी-अमित शाह की उपलब्धि है जो जात के संग धर्म और पैसे की इंजीनियरिंग में भी लोगों को बांध दिया। दिमागी जड़ता में अंधविश्वासों व बाजार की नई धार बनाई। प्रदेश के धंधों-ठेकेदारी में बालू माफिया को छोड़ बाकी क्षेत्रों में अब दक्षिण भारत या गुजराती सेठ ठेकेदार-व्यापारियों का बाजार पर कब्जा है। मुनाफे-भ्रष्टाचार के आयाम क्योंकि भरपूर हैं तो इसकी बदौलत सड़कों के जाल, बिजली की सप्लाई और सुरसा जैसी फैली आबादी का बाजार चमचमाता हुआ है। लेकिन न उसमें 'मेड इन बिहार' है और 'न मेड इन भारत' और न लोकल रोजगार!

बिहार की खूबी अब शिक्षा (कभी हुआ करती थी), राजनीतिक चेतना नहीं है, बल्कि बेगारी, बेरोजगारी और जातियों के नए-नए झंडारोहण हैं! इस सबसे ऊपर बिहार का वोट की मंडी में कनवर्ट होना है। कभी बिहार बुद्ध से लेकर आजादी के आंदोलन, माओवादी विचारों, समाजवादी विचारों, जेपी आंदोलन, संपूर्ण क्रांति, मंडल क्रांति में दिमागी फितरत लिए होता था। अब वह मंडी है, जिसमें मोदी-नीतीश सरकार ने नकद पैसा बांट कर बिहारियों में नई सियासी बारहखड़ी सिखलाई है। घर-घर नोट के बदले वोट का विमर्श है। मतलब बालू के ठेकेदारों, शराब के ठेकेदारों, जाति-उपजातियों के ठेकेदारों, धर्म के ठेकेदारों के बाद बिहार की नई राजनीति का नाम है दो हजार, पांच हजार, दस हजार रुपए बांट कर पांच साल के लिए वोटों की खरीदारी का पुख्ता दर्शन!

तस्वीरों की दुनिया

नई दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी। इस विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

नई दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद घेरे गए क्षेत्र में जले हुए वाहन। विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक को थिम्पू में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की उपस्थिति में 1020 मेगावाट पुनात्सांगछू-2 जलविद्युत परियोजना के उद्घाटन के दौरान।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव 2025 में शामिल हुई।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के दौरान पहली बार मतदाता ने अनुग्रह कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गया, बिहार में अपना वोट डाला।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान के थिम्पू में चांगलीमेथांग समारोह मैदान में सभा को संबोधित करते हुए।

डॉ. उमर की मौत हुई, घायल हुआ या गायब जांच एजेंसियों के लिए उलझन क्यों ?

नईदिल्ली, 12 नवंबर [एजेंसी]।

लाल किले के पास हुए विस्फोट को 36 घंटे से ज़्यादा बीत जाने के बावजूद, मुख्य अभियुक्त डॉ. उमर और घटना के बाद अस्पताल पहुँचे क्षत-विक्षत शवों का रहस्य अभी तक अनसुलझा है। डॉ. उमर का नाम न तो विस्फोट में घायलों की सूची में है और न ही मृतकों की सूची में।इसी तरह, अस्पताल पहुँचे क्षत-विक्षत शवों के बारे में भी कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। एक सूची में मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ क्षत-विक्षत शवों का ज़िक्र है। हालाँकि, अस्पताल प्रबंधन से लेकर पुलिस प्रशासन तक, सभी इस बात पर चुप्पी साधे हुए हैं कि वह व्यक्ति कौन है, क्षत-विक्षत शवों के आधार पर उसकी मौत का फ़ैसला किसने और कैसे किया। यह चुप्पी अस्पताल पहुँचे क्षत-विक्षत शवों के बारे में भी है। यह भी नहीं बताया जा रहा है कि घटनास्थल से कितने क्षत-विक्षत शव बरामद किए गए या अस्पताल पहुँचाए गए। यह चुप्पी मामले के रहस्य को और गहरा कर देती है, हालाँकि कथित तौर पर यह संख्या तीन से ज़्यादा है। इस मामले में अज्ञात लोगों की सूची का न होना यह सवाल उठाता है कि क्या डॉ. उमर की हत्या हुई, वे घायल हुए या फिर वे बस गायब हो गए। विस्फोट के बाद से मारे गए या घायल हुए लोगों की सूची से उनका नाम क्यों गायब है। यह भी जाँच एजेंसियों के लिए उलझन का विषय है। लोक नायक अस्पताल में भर्ती घायलों की सूची से भी उमर का नाम गायब है।

शवों की पहचान के दौरान उनका पता नहीं चल पाया। इसके अलावा, अस्पताल पहुँचे कुछ क्षत-विक्षत शवों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। कहा जा रहा है कि डीएनए जाँच के बिना पुष्टि असंभव है।हालाँकि, इस मामले में सरकार या प्रशासन की ओर से कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, डॉ. उमर के किसी भी रिश्तेदार या परिचित ने औपचारिक रूप से गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। इससे स्थिति और जटिल हो जाती है।हालाँकि, जाँच एजेंसियाँ घटनास्थल से बरामद विस्फोटक अवशेषों और कार के टुकड़ों की फोरेंसिक विशेषज्ञों से जाँच करवा रही हैं। माना जा रहा है कि घटनास्थल पर उमर का डीएनए मिल सकता है। हालाँकि, पुलिस या अस्पताल प्रशासन अभी इस मामले पर खुलकर बोलने को तैयार नहीं है।

लोक नायक अस्पताल में क्षत-विक्षत शवों की पहचान को लेकर उठे सवालों के बीच, ई-रिक्शा चालक जुम्मन और पान विक्रेता भुल्लन चौधरी लाल किला विस्फोट के बाद से लापता हैं। जुम्मन के चाचा इदरीस ने बताया कि जुम्मन के ई-रिक्शा में जीपीएस लगा था और शाम 6 बजे के बाद उसकी लोकेशन लाल किले के गेट नंबर 1 पर दिखाई दे रही थी। तब से वह लापता है। अस्पताल में उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। भुल्लन चौधरी के दामाद गणेश, जो बिहार के मधेपुरा के रहने वाले हैं, ने बताया कि भुल्लन चौधरी विस्फोट स्थल के पास पान की दुकान चलाते थे। वह वहीं रहते और सोते थे। विस्फोट के बाद से वह लापता हैं। उनकी गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई है। अस्पताल ने उनके बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की है।

आतंकियों ने बड़ी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट कैसे किया हासिल, फरीदाबाद में मिला था 2900 किलो केमिकल

नई दिल्ली। सुरक्षा एजेंसियां इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि कैसे एक सफेदपोश आतंकवादी नेटवर्क ने अमोनियम नाइट्रेट सहित भारी मात्रा में विस्फोटक हासिल करने और भंडारण करने में कामयाबी हासिल की।संदेह है कि इसी पदार्थ का इस्तेमाल सोमवार को लाल किला के पास हुए घातक विस्फोट में किया गया, जिसमें 12 लोग मारे गए। इस हमले ने एक बार फिर इस बात को उजागर कर दिया है कि अमोनियम नाइट्रेट जैसे प्रतिबंधित रसायन को कितनी आसानी से हथियार बनाया जा सकता है। अधिकारी हाल में पकड़े गए अंतरराज्यीय आतंकी सेल के खरीद नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार शाम को लाल किले के पास हुए विस्फोट के कुछ ही घंटों बाद तीन डाक्टरों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त कर जैश-ए-मोहम्मद व अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक सफेदपोश आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ था। यह नेटवर्क कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था।अमोनियम नाइट्रेट दोहरे इस्तेमाल वाला रसायन है, जिसे नाइट्रोजन उर्वरक के रूप में और पत्थर की खदानों में नियंत्रित विस्फोट के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। इससे पहले फरीदाबाद में 2900 किलो यही केमिकल मिला था। हालांकि, पोटाशियम क्लोरेट और सल्फर जैसे अन्य रसायनों के साथ मिश्रित होने पर इसकी अस्थिर प्रकृति के कारण यह आतंकवादी समूहों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विस्फोटक सामग्री (आईईडी) का एक घटक बन गया।इसे ईंधन तेल में भी मिलाया जाता है, जिससे अमोनियम नाइट्रेट फ्यूल आयल एक्सप्लोसिव (एएनएफओ) बनता है, जो तुरंत आग का कारण बनता है।

ताइवान ने तूफान फंग-वोंग का हाई अलर्ट हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

ताइपे, 12 नवंबर [एजेंसी]।

तूफान फंग-वोंग से पहले ताइवान ने मंगलवार को संवेदनशील क्षेत्रों से तीन हजार से अधिक लोगों को निकाला और स्कूलों और कार्यालयों को बंद कर दिया। फंग-वोंग ने फिलीपींस में 25 लोगों की जान ले ली और 14 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित कर दिया। फंग-वोंग को पहले एक तूफान के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन ताइवान के पास पहुंचने के साथ इसकी तीव्रता कम हो रही है। उम्मीद है कि यह बुधवार दोपहर या शाम को दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर काऊशुंग के पास पहुंचेगा। ताइवान की मौसम एजेंसी ने बताया कि मंगलवार सुबह तूफान की अधिकतम गति 108 किलोमीटर प्रति घंटा और 137 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इसके बुधवार शाम या गुरुवार तड़के पूरे द्वीप में फैलकर उत्तर-पूर्वी दिशा से निकल जाने की आशंका है।

तुर्किये में मेयर के लिए मांगी 2000 साल की जेल की सजा, अरबों डॉलर का किया भ्रष्टाचार

इस्तांबुल 12 नवंबर। शहर के मेयर एक्रेम इमामोग्लू के खिलाफ अरबों डॉलर के भ्रष्टाचार का मामला सुर्खियों में है। उनके खिलाफ दलील दे रहे मुख्य अभियोजक एकिन गुरलेक ने अदालत से इमामोग्लू के लिए 2000 साल से अधिक की जेल की सजा की मांग की है। इमामोग्लू पर आरोप है कि वह एक बड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क के मास्टरमाइंड हैं। गुरलेक ने कहा कि इस नेटवर्क ने पिछले 10 वर्षों में देश को 160 अरब लीरा (3.8 अरब डॉलर) का नुकसान पहुंचाया है। इमामोग्लू के खिलाफ 4000 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया गया है, जिसमें वित्तीय अपराध जांच बोर्ड (मसाक) की रिपोर्ट के आधार पर इमामोग्लू को आपराधिक समूह का संस्थापक और मुखिया बताया गया है।आरोपपत्र में मेयर सहित 402 संदिग्धों के नाम हैं और उन पर आपराधिक संगठन बनाने, रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और बोली में हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया है। खास बात ये है कि इमामोग्लू देश के राष्ट्रपति तैय्यिप एर्दोआन के प्रमुख राजनीतिक विरोधी हैं। उन्होंने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज किया है। उनकी पार्टी ने मंगलवार को उन पर लगाए गए नए आरोपों को मूर्खतापूर्ण बताया है।

बोत्सवाना पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू का भव्य स्वागत, दिया गार्ड ऑफ ऑनर, दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

गबोरोन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी राजकीय यात्रा पर बोत्सवाना पहुंच चुकी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बोत्सवाना के राष्ट्रपति ड्यूमा गिदोन बोको ने हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राष्ट्रपति भवन ने एक्सपर एक पोस्ट में कहा कि अफ्रीका की अपनी दो-देशीय यात्रा के अंतिम चरण में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोत्सवाना के गबोरोन स्थित सर सेरेत्से खामा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा है।भारत-बत्सवाना मैत्री की गहराई को दर्शाते हुए एक विशेष भाव-भंगिमा के तहत, बोत्सवाना के राष्ट्रपति, महामहिम एडवोकेट ड्यूमा गिदोन बोको ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से

स्वागत किया और उन्हें औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया।इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मू 8 से 11 नवंबर तक अपने दौरे के पहले चरण, अंगोला में अपने कार्यक्रमों के समापन के बाद, बोत्सवाना की अपनी यात्रा के लिए लुआंडा से रवाना हुईं। यह यात्रा उनके अंगोलाई समकक्ष जोआओ लौरेंको के निमंत्रण पर की गई थी।

अंगोला में अपने कार्यक्रमों के समापन के बाद, राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति ड्यूमा गिदोन बोको के निमंत्रण पर 11 से 13 नवंबर तक निर्धारित अपने अफ्रीका दौरे के दूसरे चरण के लिए बोत्सवाना पहुंचीं। यह यात्रा भारत-बोत्सवाना संबंधों में एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा है। बोत्सवाना चरण में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

गुजराती कारोबारियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश में दिखाई खास रुचि

एक ही दिन में 33 हजार करोड़ के प्रस्ताव दिए

अहमदाबाद, 12 नवंबर [एजेंसी]।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 22 माह में 7.5 लाख करोड रु के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किये हैं। अब तक ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक साढे तीन लाख करोड रु के तथा स्टील क्षैत्र के लिए एक लाख करोड रु के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुजराती उद्यमियों का दिल जीतने में कामयाब रहे और महज एक ही बैठक में 33 हजार करोड रु के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त कर लिये। इससे 10532 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। लीथीयम खदान की नीलामी करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य भी बन गया। छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुजरात की दो दिन की यात्रा पर आये। केवडिया में स्टेच्यू ऑफ युनिटी सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण करने के बाद वहां अपने राज्य के पैवेलियन पर गये। अहमदाबाद में छत्तीसगढ़ सरकार के इन्वेस्टर्स कनेक्ट सम्मेलन में उद्यमियों ने 33 हजार करोड रु के निवेश प्रस्ताव किये। टोरेंट समूह के उपाध्यक्ष जिनल मेहता ने 1600 मेगावाट के थर्मल प्लांट के लिए 22900 करोड तथा फार्मा में 200 करोड रु के निवेश प्रस्ताव किये। उनके अलावा जेड ब्लू, निरमा, वेलस्पन समूह के उध्यमियों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर निवेश में रुचि दिखाई। उध्यमियों ने स्टील, माइन्स, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल सेकटर में निवेश में रूचि दिखाई है। टेक्सटाइल उध्यमियों से मुलाकात में जेड ब्लू के जितेंद्र चौहान ने रायपुर में 90 एकड में टेक्सटाइल पार्क व 30 एकड में गारमेंट पार्क की स्थापना में सहयोग की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि अपने 22 माह के शासन में उन्होंने सुधार के 350 कदम उठाये। बस्तर, सरगुजा, जैसे आदिवासी बहुल क्षैत्र में निवेश के लिए विशेष सुविधायें दी जायगी। रायपुर को आईटी और एआई डेटा सेंटर हब के रुप में विकसित किया जायगा।

सेमिकंडक्टर एवं ईलेक्ट्रॉनिक क्षैत्र की कंपनियों ने यहां निवेश में रुचि दिखाई है । मुख्यमंत्री साय ने मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त होने की घोषणा करते हुए बताया कि केंद्रीय ग्रहमंत्री अमित शाह के प्रयास से देश नक्सल समस्या मुक्ति के कगार पर है। छत्तीसगढ़ में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, उनहें हम घर, खेती की जमीन, रोजगार व कौशल्य विकास का प्रशिक्षण दिलाकर मुख्य धारा में ला रहे हैं। राज्य के 327 गांवों को आबाद गांव बनाकर 10 किमी के घेरे में विशेष सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं।

पार्किंग में खड़े वाहनों की जांच का कोई प्रावधान नहीं, नागरिकों को कैसे मिलेगी सुरक्षा

नईदिल्ली, 12 नवंबर [एजेंसी]।

लाल किला बम विस्फोट ने दिल्ली की पार्किंग व्यवस्था की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। अगर सुनहरी बाग स्थित एएसआई पार्किंग में वाहन निरीक्षण व्यवस्था होती, तो लाल किला बम विस्फोट को रोका जा सकता था और निर्दोष लोगों की जान नहीं जाती। हालाँकि, दिल्ली की पार्किंग में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एमसीडी के पार्किंग टेंडर की शर्तों में वाहन निरीक्षण का ज़िक्र ही नहीं है। नतीजतन, लोग बिना निरीक्षण के भी दिल्ली की पार्किंग में गाड़ी पार्क कर सकते हैं। हालाँकि लाल किला घटना के बाद कुछ पार्किंग स्थलों पर कर्मचारियों को निरीक्षण करते देखा गया, लेकिन उनके पास निरीक्षण उपकरण नहीं थे। हालाँकि, सरसरी तौर पर वाहनों की जाँच की जा रही थी, लेकिन आम दिनों में ऐसा नहीं होता। न तो एमसीडी, न ही एनडीएमसी पार्किंग संचालकों और न ही कर्मचारियों के पास वाहन निरीक्षण उपकरण हैं। हालाँकि, एमसीडी की पार्किंग की शर्तों में पार्किंग स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी फुटेज की व्यवस्था है।

गौरतलब है कि एमसीडी 400 से ज़्यादा भूतल और भूमिगत पार्किंग स्थलों का संचालन करती है। एमसीडी सभी पार्किंग स्थलों को निजी ठेकेदारों को मासिक लाइसेंस शुल्क पर आवंटित करती है। पार्किंग स्थलों के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी ठेकेदार की होती है।कर्मचारियों को तैनात करने से पहले, उनके आचरण और व्यवहार की जाँच ज़रूरी है, लेकिन पार्किंग स्थलों में प्रवेश करने वाले वाहनों की जाँच का कोई प्रावधान नहीं है। वहीं, एनडीएमसी अपने कर्मचारियों के ज़रिए 120 से ज़्यादा पार्किंग स्थलों का संचालन करती है। दिल्ली मेट्रो और अन्य एजेंसियाँ भी ठेकेदारों के ज़रिए पार्किंग स्थलों का संचालन करती हैं। वहाँ भी स्थिति ऐसी ही है।

दिल्ली में, मॉल और पाँच सितारा होटलों में प्रवेश करने से पहले हुड या डिक्की खोलकर वाहनों की जाँच की जाती है। इसके अलावा, यहाँ के कर्मचारी मेटल डिटेक्टर और अन्य वाहन निरीक्षण उपकरणों से लैस होते हैं। बाबा खड़ग सिंह मार्ग स्थित डीएलएफ पार्किंग स्थल पर भी वाहनों की जाँच की जाती है। इससे यह सवाल उठता है- अगर उपरोक्त स्थानों पर निरीक्षण किया जाता है, तो एमसीडी और एनडीएमसी सहित अन्य एजेंसियों द्वारा संचालित पार्किंग स्थलों पर निरीक्षण क्यों नहीं किया जा सकता। यह मामला हमारे ध्यान में आया है। पार्किंग संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए 17 नवंबर को हमारी एक बैठक है। हम अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे और पार्किंग आवंटन निविदा की शर्तों में संशोधन करेंगे। उस बैठक में हम यह भी प्रस्ताव रखेंगे कि पार्किंग में प्रवेश करने से पहले वाहनों की जाँच की जाए।

आतंकी हमला था लाल किले के पास हुआ धमाका, UAPA में मामला दर्ज, 4 लोग हिरासत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार शाम को हुए आतंकी हमले के मामले में गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज हो गया है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।इस हमले में नौ लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं। यह ब्लास्ट एक कार में हुआ था, उस कार का नंबर (HR26CE7674) ये है। इस धमाके में आसपास का इलाका और कई वाहन भी चपेट में आए हैं। डीसीपी नार्थ ने मीडिया को बताया कि लालकिला ब्लास्ट मामले में यूएपीए और एक्सप्लोसिव एक्ट में दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने हर बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक रूप से पुष्टि कर दी है कि लाल किला के सामने कार में हुआ धमाका आतंकी घटना ही थी। लॉ एंड ऑर्डर रवींद्र सिंह यादव ने इसकी पुष्टि की है। अब केस की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी करेगी या स्पेशल सेल इस पर विचार किया जा रहा है। आज शाम तक केस की जांच किसी एजेंसी को सौंप दी जाएगी।

नसों में जानलेवा इंजेक्शन... मृत्युदंड के लिए फांसी के बजाय अन्य तरीकों की मांग पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह उस याचिका पर 21 जनवरी को सुनवाई करेगा जिसमें मृत्युदंड पाए दोषियों के लिए फांसी पर लटकाने के मौजूदा तरीके को कानून से हटाने की मांग की गई है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ मौत की सजा पाए दोषी को फांसी देकर मारने के मौजूदा तरीके को खत्म करने और उसकी जगह नसों में जानलेवा इंजेक्शन लगाने, गोली मारने, बिजली का तेज झटका देने या गैस चैंबर जैसे कम दर्दनाक तरीकों को अपनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ से इस मामले की सुनवाई जनवरी, 2026 में करने का अनुरोध किया। इस पर 2017 में याचिका दायर करने वाले वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने कहा, यह मामला भी फांसी की तरह लटका हुआ है। वेंकटरमणी ने कहा, अभी किसी को फांसी नहीं दी जाएगी।

चिंता की कोई भी बात नहीं है। मल्होत्रा ने कहा कि अटार्नी जनरल ने पूर्व में अदालत को बताया था कि उठाए गए मुद्दों की समीक्षा के लिए केंद्र सरकार एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। इस पर वेंकटरमणी ने कहा, कुछ कार्यवाही हुई है, लेकिन मुझे नहीं पता कि उनका कोई नतीजा निकला या नहीं। मैं इस मामले को देखूंगा और कोर्ट को रिपोर्ट करूंगा।

ग्वालियर में एमबीबीएस छात्र की पहली मंजिल से गिरकर मौत, पुलिस रैगिंग के एंगल से भी कर रही जांच

ग्वालियर, 12 नवंबर [एजेंसी]।

गजराराजा मेडिकल कालेज (जीआरएमसी) के न्यू रविशंकर होस्टल में सोमवार रात को पहली मंजिल से नीचे गिरकर एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी निवासी पंचम उईके का 21 वर्षीय पुत्र यशराज उईके 20 दिन पहले ही कालेज में प्रवेश लेकर आया था। वह होस्टल में साथी प्रवीण के साथ रह रहा था।पुलिस के अनुसार, यशराज सोमवार रात करीब 9.45 बजे होस्टल के ओपन एरिया में था, तभी अचानक वह पहली मंजिल से नीचे गिर गया। आवाज सुनकर सुरक्षाकर्मी कपिल मौके पर पहुंचा तो यशराज जमीन पर पड़ा था। उसे तत्काल जेएएच ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां आंतरिक चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच शुरू की है। वहीं, पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि यशराज के पेट में गंभीर चोटें आई थीं, जिससे आंतरिक अंग फट गए और पेट

में खून भर गया। यही उसकी मौत का कारण बना। जीआरएमसी के प्रवक्ता डा. मनीष चतुर्वेदी का कहना है कि होस्टल से गिरने के कारण यशराज की मौत हुई है। मामले की जांच पुलिस कर रही है। रैगिंग जैसा कोई मामला नहीं है। मृतक की बहन सुषमा ने आरोप लगाया कि उनके भाई की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। उन्होंने कहा कि अगर वह ऊंचाई से गिरा था तो उसके शरीर से खून क्यों नहीं निकला। वह खुदकुशी नहीं कर सकता, उसके साथ कुछ गलत हुआ है।

यशराज की मां का रो-रोकर बुला हाल था।पुलिस इस मामले में रैगिंग के एंगल से भी जांच करेगी। हालांकि होस्टल के छात्र रैगिंग से इनकार कर रहे हैं, लेकिन घटना पर संदेह इसलिए गहराया है क्योंकि छात्र पहली मंजिल से गिरा और उसका मोबाइल होस्टल की छत पर मिला। वहीं, यशराज के सहपाठी छात्रों ने कहा कि मौत कैसे हुई, इसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। छात्रों ने इस संबंध में जीआरएमसी डीन को एक पत्र भी दिया है। सामने आया है कि यशराज को होस्टल में रूम अलाट नहीं हो सका था। उसकी ताई रमसू परते ने सवाल उठाया कि होस्टल में रूम अलाट न होने की सूचना हमें को क्यों नहीं दी गई, जबकि रूम के लिए पैसे पहले ही जमा करा दिए गए थे। उन्होंने कहा कि अगर हमें पता होता कि रूम नहीं मिला, तो हम बेटे को अभी नहीं भेजते।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल कानून की संवैधानिकता पर फैसला रखा सुरक्षित, संसद को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल सुधार (संवैधानिकता और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रखा।पीठ ने कहा कि यह कानून संसद में लंबे समय के बाद बनाया गया है और इसे लागू होने दिया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के.विनोद चंद्रन की पीठ ने अटार्नी जनरल आर. वेंकटरामणि की दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रखा है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अंतिम सुनवाई 16 अक्टूबर को शुरू की थी और वरिष्ठ वकीलों अरविंद दातार, गोपाल संकरनारायणन, सचित जाली और पोरस एफ. काका की दलीलें सुनीं। पीठ ने पूछा कि केंद्र कैसे उसी ट्रिब्यूनल सुधार कानून को ला सकता है, जिसके कई प्रविधानों को पहले ही निरस्त किया गया था, कुछ छोटे परिवर्तनों के साथ और वह भी बिना निर्णय के आधार को हटाए।

मुख्यन्यायाधीश ने कहा, मुद्दा यह है कि संसद कैसे उसी कानून को (जिसे निरस्त किया गया था) कुछ छोटे परिवर्तनों के साथ लागू कर सकती है। आप उसी कानून को लागू नहीं कर सकते।

2021 का यह अधिनियम फिल्म प्रमाणन अपीलीय ट्रिब्यूनल समेत कुछ अपीलीय ट्रिब्यूनलों को समाप्त करता है और विभिन्न ट्रिब्यूनलों के न्यायिक और अन्य सदस्यों की नियुक्ति और कार्यकाल से संबंधित शर्तों में संशोधन करता है। याचिकाओं में 2021 के इस कानून को शीर्ष अदालत के पूर्व के निर्णयों के विपरीत बताया गया है, जिसमें कहा गया था कि ट्रिब्यूनल के सदस्यों का कार्यकाल कम से कम पांच वर्ष होना चाहिए और न्यूनतम 10 वर्ष के अनुभव वाले वकीलों को योग्य माना जाना चाहिए। वेंकटरामणि ने कहा कि चयन प्रक्रियाओं में समानता लाने का उद्देश्य था।

यामी गौतम से सीखी अभिनय की बारीकियां, वर्तिका सिंह ने बताया हक के सेट का अनुभव

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। को दिए इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे। वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे।

वर्तिका ने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए।

फिल्म हक में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

बिकिनी में वाणी कपूर ने दिए किलर पोज, शेयर की हॉट तस्वीरें

साल 2013 में बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस वाणी कपूर अपने हॉट और ग्लैमरस अंदाज की वजह से सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। उनके फैंस की संख्या में लाखों में है। अब एक बार फिर वाणी कपूर ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर ने आज अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वाणी की ये तस्वीरें वेकेशन की हैं। इन तस्वीरों में वाणी पिंक रंग की बिकीनी पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ वाणी ने कैप्शन में लिखा-मुस्कुराहट की संभावना। वाणी अपने फैंस के लिए हॉट तस्वीरें पोस्ट करती रहती है। छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वाणी ने आज बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इंस्टाग्राम पर वाणी का कमेट बॉक्स तारीफों से भर चुका है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब वाणी कपूर ने अपने हॉट और ग्लैमरस अवतार दिखाया हो। वाणी सोशल मीडिया में काफी सक्रिय रहती हैं और इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस फोटो शेयर करती रहती हैं, जो इंटरनेट पर छा जाती हैं। बता दें कि उन्होंने साल 2013 में फिल्म शुद्ध देशी रोमांस से बॉलीवुड में एंट्री ली थी। इस फिल्म में उनके साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत थे। इस फिल्म के लिए उनको फिल्मफेयर का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड से भी नवाजा गया था। आज वाणी को बॉलीवुड इंडस्ट्री में करीब 7 साल के करीब हो गए हैं। वाणी की इन हॉट तस्वीरों पर साउथ अभिनेत्री राशि खन्ना ने फायर इमोजी बनाए हैं।

दांतों को चमकाने के अलावा कई कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है टूथपेस्ट

आमतौर पर टूथपेस्ट का इस्तेमाल दांतों की सफाई के लिए किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि टूथपेस्ट कई अन्य कामों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है? यह एक खास उत्पाद है, जो न केवल दांतों को साफ करता है, बल्कि घर के छोटे-मोटे कामों में भी मदद करता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनके लिए आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंक की सफाई करें

सिंक की सफाई करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक ब्रश पर थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर सिंक पर रगड़ें, फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे सिंक की चमक वापस आ जाएगी और जमी हुई गंदगी भी हट जाएगी। टूथपेस्ट में मौजूद सफाई करने वाले तत्व गंदगी को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सफाई करना आसान हो जाता है।

कांच की चमक बढ़ाएं

अगर आपके घर में कांच की चीजें हैं तो उनकी सफाई के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर कांच की चीजों को हल्के हाथों से रगड़ें, फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। इससे कांच की चीजें नई जैसी चमक उठेंगी और उनकी गंदगी भी दूर हो जाएगी। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कांच की चीजों का शौक रखते हैं।

चाय, कॉफी या तेल के दाग हटाएं

चाय, कॉफी या तेल के दाग कपड़ों से हटाने के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए दाग वाले हिस्से पर थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर उसे हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा और कपड़ा नया जैसा दिखेगा। यह तरीका खासतौर पर सफेद कपड़ों पर अच्छा काम करता है।

फर्श की सफाई करें

फर्श की सफाई करने के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक बाल्टी पानी में थोड़ा-सा टूथपेस्ट मिलाकर उसे अच्छे से घोल लें, फिर इस मिश्रण को फर्श पर डालकर झाड़ू लगाएं। इससे फर्श की गंदगी साफ हो जाएगी और उसकी चमक भी बढ़ जाएगी। टूथपेस्ट में मौजूद सफाई करने वाले तत्व गंदगी को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सफाई करना आसान हो जाता है।

जूते चमकाएं

जूते चमकाने के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए थोड़ा-सा टूथपेस्ट लेकर उसे जूते पर लगाकर ब्रश करें, फिर गीले कपड़े से पोंछ लें। इससे आपके जूते नए जैसे चमक उठेंगे और उनकी गंदगी भी दूर हो जाएगी। इन तरीकों से आप आसानी से अपने घर के कई छोटे-मोटे काम कर सकते हैं बिना किसी मेहनत या

खर्च के। अगली बार जब आप टूथपेस्ट खरीदें तो इन उपायों को जरूर आजमाएं।

डैंड्रफ से जुड़े इन भ्रमों को न मानें सच, हो सकता है नुकसान

डैंड्रफ एक आम समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। इसके बारे में कई भ्रम भी फैले हुए हैं, जिन्हें लोग सच मान लेते हैं। इन भ्रमों पर विश्वास करने से समस्या और बढ़ सकती है। इस लेख में हम पांच प्रमुख भ्रमों का सच जानेंगे और समझेंगे कि ये कितने सही हैं और इनसे कैसे निपटा जा सकता है। इससे आपको सही जानकारी मिलेगी और आप बेहतर तरीके से डैंड्रफ की समस्या का समाधान कर सकेंगे।

भ्रम: डैंड्रफ केवल तैलीय बालों वाले लोगों को होता है

यह सबसे आम भ्रम है कि डैंड्रफ केवल तैलीय बालों वाले लोगों को होता है। सच यह है कि डैंड्रफ किसी भी प्रकार के बालों में हो सकता है, चाहे वे तैलीय हों या सूखे। डैंड्रफ का असली कारण सिर की त्वचा की जलन, फंगल संक्रमण या अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं से जुड़ा होता है, न कि बालों के प्रकार से। इसलिए अपने बालों के प्रकार के आधार पर ही शैंपू और बालों की देखभाल के उत्पाद चुनें।

भ्रम: डैंड्रफ सिर्फ शुष्क मौसम में होता है

बहुत से लोग मानते हैं कि डैंड्रफ केवल शुष्क मौसम में होता है, लेकिन यह सच नहीं है। डैंड्रफ किसी भी मौसम में हो सकता है, चाहे वह गीला हो या सूखा।

असल में फंगल संक्रमण, त्वचा की जलन और अन्य कारणों से डैंड्रफ होता है। इसलिए मौसम के आधार पर अपने बालों की देखभाल के तरीके को न बदलें और सही उत्पादों का उपयोग करें ताकि आप इस समस्या से बच सकें।

भ्रम: डैंड्रफ का इलाज महंगे उत्पादों से ही संभव है

यह भी एक गलतफहमी है कि डैंड्रफ का इलाज केवल महंगे शैंपू और बालों की देखभाल के उत्पादों से ही संभव है। सच यह है कि सस्ती और प्राकृतिक सामग्रियों वाले उत्पाद भी डैंड्रफ को कम करने में मदद कर सकते हैं। जैसे कि नीम का पेस्ट, एलोवेरा जेल या नारियल तेल आदि का उपयोग किया जा सकता है। इनसे न केवल डैंड्रफ कम होगा बल्कि बाल भी स्वस्थ रहेंगे और चमकदार दिखेंगे।

भ्रम: डैंड्रफ सिर्फ युवाओं में होता है

डैंड्रफ केवल युवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। बच्चों, किशोरों, वयस्कों और बुजुर्गों सभी में डैंड्रफ हो सकता है। यह त्वचा की जलन, फंगल संक्रमण या अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं का परिणाम हो सकता है। इसलिए उम्र के आधार पर अपने बालों की देखभाल के तरीके को न बदलें और सही उत्पादों का उपयोग करें ताकि आप इस समस्या से बच सकें।

भ्रम: डैंड्रफ संक्रामक होता है

बहुत लोग मानते हैं कि डैंड्रफ संक्रामक होता है यानी इसे छूने या पास आने से दूसरों को हो सकता है। यह पूरी तरह गलत है क्योंकि डैंड्रफ किसी व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक नहीं फैलता। यह एक त्वचा संबंधी समस्या होती है, जो फंगल संक्रमण या अन्य कारणों से होती है। इन भ्रमों को जानकर आप सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और डैंड्रफ की समस्या का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी की हक ने लगाई दहाड़, सोनाक्षी सिन्हा की जटाधरा का बुरा हाल

अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म हक इस साल 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक रही है। दर्शकों को जितनी फिल्म की कहानी पसंद आई है, उतना इमरान और याम की जोड़ी को प्यार मिल रहा है। 7 नवंबर को रिलीज फिल्म ने पहले दिन उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं की, लेकिन वीकेंड का पूरा फायदा उठाया है। दूसरी तरफ, सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत जटाधरा का रिलीज के तीसरे दिन भी बुरा हाल है।

इंदौर के चर्चित शाह बानो केस से प्रेरित फिल्म हक धीमे-धीमे ही सही, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश शुरू कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 3.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। पहले दिन 1.75 करोड़ रुपये से ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म की कुल कमाई 8.85 करोड़ रुपये हो गई है। इमरान और यामी की फिल्म को वीकेंड का पूरा फायदा मिला है।

सोनाक्षी, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर अभिनीत फिल्म जटाधरा इस साल की फ्लॉप फिल्म बनने की तरफ बढ़ रही है। 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म को वीकेंड पर भी दर्शक नहीं मिले हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इसने पहले दिन 1.07 करोड़ और दूसरे दिन भी 1.07 करोड़ रुपये कमाए थे। तीसरे दिन जटाधरा की कमाई धड़ाम हो गई। सिर्फ 99 लाख कमाते हुए इसने 3 दिन में कुल 3.13 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

कांतारा चैप्टर 1 ने बनाया शानदार रिकॉर्ड

ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल है। यह 2 अक्टूबर को रिलीज हुई थी और इसने अपने नाम एक नया रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। कांतारा चैप्टर 1 देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 8वीं फिल्म बन चुकी है। इसने छठे हफ्ते में करीब 3.5 करोड़ रुपये कमाते हुए कुल 697 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और विक्की कौशल की छावा (695 करोड़) को पछाड़ चुकी है।रिपोर्ट के मुताबिक, कांतारा चैप्टर 1 ऑल-टाइम ग्रॉसर्स की सूची में देश की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के बाद, फिल्म के कलेक्शन में गिरावट हुई है, लेकिन यह 7वें स्थान पर जगह बनाने के लिए लगातार आगे बढ़ रही है। उम्मीद है कि इस हफ्ते के आखिर तक ऋषभ की फिल्म 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लेगी।2025 में सबसे ज्यादा कमाई वाली शीर्ष-5 फिल्मों में कांतारा चैप्टर 1 सबसे ऊपर है, जिसका कलेक्शन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 697 करोड़ रुपये है, जबकि दुनियाभर में इसने 800 करोड़ से ज्यादा कारोबार किया है। इसके बाद, छावा (695 करोड़), सैयारा (393 करोड़), कुली (323 करोड़)और वॉर 2 (287 करोड़ रुपये) है। 5 दिसंबर को रणवीर सिंह की धुरंधर रिलीज हो रही है, जिससे बहुत उम्मीदें हैं। देखना होगा क्या ये फिल्म, कांतारा चैप्टर 1 का रिकॉर्ड तोड़ पाएगी।

अजय देवगन की 'दे दे प्यार दे 2' को सेंसर बोर्ड से बिना कट मिला पास, 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

अजय देवगन की आने वाली कॉमेडी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' को सेंसर बोर्ड ने बिना किसी कट के पास कर दिया है। फिल्म को यूए 13+ सर्टिफिकेट दिया गया है और अब यह 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को जीरो कट के साथ मंजूरी दी है, यानी इसमें किसी भी दृश्य या संवाद में बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म का कुल रनटाइम 147 मिनट 10 सेकंड (करीब 2 घंटे 27 मिनट) तय किया गया है। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें अजय देवगन और आर. माधवन की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आने वाली है। इस सीक्वल में अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह, आर. माधवन, गौतमी कपूर, जावेद जाफरी और मीजान जाफरी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। 'दे दे प्यार दे 2' 2019 में आई सुपरहिट फिल्म 'दे दे प्यार दे' का अगला भाग है। कहानी वहीं से आगे बढ़ाई गई है, जहां पहला पार्ट खत्म हुआ था। इस बार अजय देवगन अपने किरदार के जरिए रकुल प्रीत सिंह के माता-पिता को शादी के लिए मनाने की कोशिश करते नजर आएंगे। हालांकि कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब रकुल के माता-पिता को एहसास होता है कि अजय का किरदार उनकी उम्र के बराबर है। फिल्म में रिश्तों, पीढ़ी के अंतर और आधुनिक सोच को हल्के-फुल्के हास्य के अंदाज़ में पेश किया गया है।

शब्द सामर्थ्य -225

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 224 का हल

दा	ड़ी		की		खा	सो	आ	म
बा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
ब		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

फरहान अख्तर की '120 बहादुर' का पहला गाना 'दादा किशन की जय' रिलीज़

फरहान अख्तर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 120 बहादुर अब रिलीज़ से पहले लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई परआधारित इस फिल्म का पहला गाना 'दादा किशन की जय' आज रिलीज़ किया गया है, जिसने दर्शकों के दिलों में देशभक्ति की लहर जगा दी है।

इस जोश से भरपूर ट्रैक को मशहूर गायक सुखविंदर सिंह ने अपनी दमदार आवाज़ में गाया है, जबकि गीत के बोल दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर नेलिखे हैं। गाने की धुन और शब्द फिल्म के मूल भाव — वीरता, बलिदान और मातृभूमि के प्रति समर्पण — को बखूबी दर्शाते हैं। वीडियो में फरहानअख्तर, राशि खन्ना और सैनिकों के भावनात्मक और वीरतापूर्ण दृश्यों की झलक भी देखने को मिलती है, जो फिल्म की तीव्रता को और बढ़ा देती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश 'राज़ी' घई ने किया है, जबकि इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ ने संयुक्त रूप से कियाहै।

अवैध धान भंडारण पर मंडी सचिव की कार्रवाई, 219 बोरी धान जप्त

कोरिया बैकुंठपुर। धान उपार्जन व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी एवं औचक निरीक्षण की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर मंडी सचिव द्वारा बैकुंठपुर स्थित सिद्धिविनायक ट्रेडर्स के गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में 175 बोरी धान बिना किसी वैध दस्तावेज के अवैध रूप से भंडारित पाया गया।

मंडी सचिव द्वारा स्टॉक संबंधी खरीदी-बिक्री विवरण, घोषणापत्र एवं परिवहन अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया, किन्तु कोई भी प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मंडी अधिनियम के अंतर्गत जप्ती की कार्यवाही की गई। जप्त धान का पंचनामा तैयार कर आगे की विधिक प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इसी प्रकार महलपारा में सिद्धांत गुप्ता, दुर्गाप्रसाद गुप्ता के दुकान/गोदाम का भी निरीक्षण किया गया, जहाँ 44 बोरी धान बिना वैध दस्तावेज के पाया गया। सक्षम दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर उक्त धान को भी जप्त किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध भंडारण, परिवहन एवं धान की अवैध खपत पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ऐसी अनियमितताओं में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने व्यापारियों एवं किसानों से अपील की है कि धान की खरीदी-बिक्री एवं परिवहन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही करें तथा अनियमितताओं से दूर रहें।

कानून व्यवस्था व एनकार्ड जिला स्तरीय समिति ने बैठक की

कोरिया। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजना तय करने हेतु आज नार्को को-आर्डिनेशन सेंटर (एनकार्ड) मकैनिजम के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक तथा जिले में कानून व्यवस्था पर भी कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने बैठक में कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने स्तर पर चल रही नशा विरोधी गतिविधियों की नियमित समीक्षा कर प्रभावी और ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करे। उन्होंने ड्रग्स नियंत्रण और मेडिकल स्टोरों की निगरानी मजबूत करने के निर्देश देते हुए प्रतिबंधित दवाइयों तथा सिरप की बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर ने विद्यालयों, महाविद्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नशा मुक्ति संदेश वाले पोस्टर, जागरूकता रैली और परामर्श कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही थाना प्रभारियों को लगातार पेट्रोलिंग कर संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे ने संयुक्त रूप से जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि अन्य जिले व राज्यों से आने वाले लोगों की जानकारी रखी जाए। उन्हें कोटवार, ग्राम सचिव से सतत सम्पर्क कर फेरीवाले, साड़ी, बर्तन, प्लास्टिक के समान आदि बेचने वालों की 'मुसाफिर रजिस्टर' में समुचित जानकारी दर्ज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में धर्मांतरण को बढ़ावा देने जैसे कृत्य करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों से कहा कि किसी भी समुदाय या वर्गों के द्वारा समाज, धर्म के खिलाफ ऐसी कोई कृत्य करने की जानकारी मिलते ही तत्काल परीक्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक श्री कुर्रे ने कहा कि जिले में अवैध शराब, गांजा तथा ड्रग्स की बिक्री और तस्करी पर लगातार कड़ी कार्रवाई चल रही है। उन्होंने बताया कि नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए पुलिस हर स्तर पर सक्रिय है और इस अभियान में नागरिकों का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा उन्हें प्रोत्साहित भी किया जाएगा। बैठक में आगामी 15 नवम्बर से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने चेक पोस्ट ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करने और अवैध धान परिवहन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने निर्देश दिए। श्री कुर्रे ने कहा कि अन्य जिले और अन्य राज्यों से धान की आवक को सख्ती से रोका जाएगा। पट्रोलिंग टीम लगातार नजर रखेंगे, संवेदनशील केन्द्रों और चेक पोस्ट पर अवैध धान परिवहन पर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट पहनने हेतु प्रेरित करने तथा पेट्रोल पम्पों पर बिना हेलमेट पेट्रोल न देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, डी.डी. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, बैकुंठपुर एसडीएम उमेश कुमार पटेल, सोनहत एसडीएम अंशुल वर्मा, डीएसपी श्याम मधुकर, राजेश साहू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

कार्यशाला का आयोजन 14 को

कोरिया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने जानकारी दी है कि रैम्प योजना के अन्तर्गत मार्केट तक पहुंच विभिन्न प्लेटफॉर्म व डिजिटल मार्केटिंग व डिजिटल साक्षरता इंटरवेंशन के तहत ''ई-मार्केटप्लेस एवं डिजिटल मार्केटिंग द्वारा एमएसएमइ के लिए बाजार विकास कार्यशाला हेतु जिला पंचायत सभाकक्ष बैंकुण्ठपुर में 14 नवम्बर को समय 11.00 बजे आयोजित है।

ज्वेलरी चोरी केस के आरोपी की मौत के बाद बवाल, परिजनों ने शव लेने से किया इंकार-न्यायिक जांच के आदेश

बलरामपुर। ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी के मामले में हाल ही में बलरामपुर पुलिस ने जशपुर जिले से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन्हीं में से एक आरोपी उमेश सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद उमेश सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके चलते पुलिस ने उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने *शव लेने से इंकार कर दिया और आरोप लगाया कि उमेश की मौत पुलिस कस्टडी में हुई है। परिजनों का कहना है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की जाए और उन्हें मुआवजा दिया जाए। वहीं, प्रशासन ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, मृतक उमेश सिंह और उसके परिवार के कई सदस्य कथित रूप से 'बादी गैंग'से जुड़े हुए हैं, जो चोरी और डकैती जैसी वारदातों के लिए जाना जाता है। बताया जा रहा है कि उमेश और उसके पिता पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वे कई जिलों में वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। अब सवाल यह है कि प्रशासन इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाएगा — क्या परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा या फिर न्यायिक जांच के नतीजों के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल पुलिस और प्रशासन दोनों ही मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

अवैध धान की आमद रोकने प्रशासन सतर्क - चेक पोस्टो पर सख्त निगरानी

सूरजपुर। सचिव, छत्तीसगढ़ शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के समय सीमावर्ती राज्यों से अवैध धान की आमद को रोकने हेतु प्रशासन द्वारा कड़े कदम उठाए गए हैं। राज्य शासन द्वारा जिले के किसानों से जिले में उत्पादित धान का ही समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जाता है। लेकिन सीमावर्ती राज्यों से कुछ अवांछित व्यक्तियों द्वारा धान लाकर जिले के उपार्जन केंद्रों में पंजीकृत किसानों के नाम पर बेचने के प्रयास की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने धान खरीदी व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले की सीमाओं पर चेक पोस्टों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये टीमें खरीफ विपणन अवधि में सीमावर्ती राज्यों से आने वाले वाहनों की नियमित जांच करेंगी। जांच के दौरान यदि किसी वाहन में धान पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित तहसील स्तरीय निगरानी दल, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी को सूचित किया जाएगा। इस क्रम में ग्राम नवाटोला में वन विभाग द्वारा चेक पोस्ट स्थापित किया गया है। इसके अलावा चौपता पुल, ग्राम विशालपुर (तहसील ओडगी) के पास तथा ग्राम रेवटी (तहसील प्रतापपुर) में भी चेक पोस्ट बनाए गए हैं। इन सभी चेक पोस्टों के लिए नोडल एवं प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो निगरानी व्यवस्था का संचालन करेंगे। जिल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले की सीमाओं पर सख्त निगरानी रखी जाएगी ताकि कोई भी बाहरी व्यक्ति या व्यापारी अन्य राज्यों से धान लाकर यहां खपा न कर सके।

एसआईआर को लेकर भाजपा की बूथ स्तरीय बैठक हुई

कोरिया बैकुण्ठपुर। भाजपा मंडल पटना के विभिन्न मतदान केन्द्रो में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) को लेकर मतदान केन्द्र पटना, महोरा, डकईपारा, मुरमा, बरदिया व पीपरडांड़ में बैठक संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, महामंत्री सत्यम साहू, सचिदानंद द्विवेदी, जिला सह मीडिया प्रभारी गणेश यादव, वर्षा साहू, सोशल मीडिया सह संयोजक राकेश गुप्ता, सुनिल सिंह, योगेन्द्र मिश्रा, पार्षद राजेश सोनी, मीरा सोनी, राजेश सोनी, अमित सिंह, विधेंश सिंह, बैजू उपस्थित रहें। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, निर्वाचन आयोग के द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एस.आई.आर.) बी.एल.ओ. के माध्यम से कराया जा रहा है, मतदान केन्द्र स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगा, मतदाता सूची से मृतकों, नए मतदाताओं का वोटर लिस्ट में नाम जोड़वाने एवं वोटर लिस्ट को नए रूप में संधारित कराने में सहयोगी बने। उन्होंने कहा, बीएलओ को मतदाताओं के संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करा कर उनका एसआईआर की प्रक्रिया को पूर्ण कराये जाने का आह्वान किया। जिला मंत्री शारदा गुप्ता ने कहा कि, मतदाता सूची की पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) कार्य में हम सभी को सहभागी बनने की आवश्यकता है। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने एस.आई.आर. के लिए बैकुंठपुर मे पंकज गुप्ता, सलका मे रविशंकर राजवाड़े, कुड़ेली मे बसंत राय, शिवपुर-चरचा राजेश सिंह, पटना मे कपिल जायसवाल, बचरापोंडी अशोक जायसवाल, सोनहत मे ईश्वर राजवाड़े को मंडल प्रभारी को नियुक्त किया है।

घर-घर पहुंचकर 298 बीएलओ कर रहे गणना प्रपत्रों का वितरण

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। 4 नवम्बर से शुरू हुए इस अभियान के तहत बैकुंठपुर, सोनहत, पटना एवं पोड़ी-बछरा तहसीलों में 298 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण कर रहे हैं। इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य राजस्व अधिकारी भी बीएलओ के साथ फील्ड में पहुंचकर कार्य की निगरानी कर रहे हैं। नगर पालिका परिषद शिवपुर चरचा के अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों के घरों में भी बीएलओ ने पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरित किया। जिले में कुल 2 लाख 11 हजार 688 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 1 लाख 5 हजार 73, महिला मतदाता 1 लाख 6 हजार 608 तथा तृतीय लिंग मतदाता 7 है। अब तक चारों तहसीलों में 1 लाख 9 हजार 614 गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है प्रपत्र भरने के बाद बीएलओ प्रत्येक घर से भरी हुई प्रति प्राप्त करेंगे तथा एक प्रति पावती स्वरूप मतदाता को वापस दी जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदारों एवं बीएलओ को निर्देशित किया है कि आगामी 4 दिसम्बर तक हर पात्र मतदाता के घर पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण कार्य समय पर पूर्ण किया जाना चाहिए। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल हों और मतदाता सूची पूर्ण एवं अद्यतन हो।

अयोध्या धाम दर्शन हेतु जिले से 57 श्रद्धालु रवाना होंगे

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के अंतर्गत जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) से कुल 57 श्रद्धालु अयोध्या धाम दर्शन के लिए रवाना होंगे। जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम, नगर पालिका एवं जनपद पंचायतों से प्राप्त यात्रियों की अंतिम सूची तैयार कर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड को भेज दी गई है। विशेष रेल यात्रा का कार्यक्रम यात्रा अवधि: 12 नवंबर से 15 नवंबर 2025 विशेष रेल का प्रस्थान: 12 नवम्बर को दोपहर 12 बजे अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से आयोजन सहयोगी: छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं IRCTC इस विशेष यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में श्री रामलला विराजमान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। IRCTC द्वारा श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, दर्शन व्यवस्था एवं यात्रा सुरक्षा की संपूर्ण तैयारी की गई है।

57 अमृत सरोवर और 1865 डबरी ने बदली ग्रामीण आजीविका की तस्वीर

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत जलसंवर्धन और आजीविका उन्नयन के कार्यों ने ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान की है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए मिशन अमृत सरोवर अभियान को छत्तीसगढ़ में रफ्तार देते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में अधिकाधिक अमृत सरोवर निर्माण के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में कोरिया जिले में अब तक 57 अमृत सरोवरों का निर्माण एवं पुनर्जीवन सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है।

जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर में 22 एवं सोनहत जनपद में 35 अमृत सरोवर विकसित किए गए हैं। प्रत्येक तालाब का न्यूनतम क्षेत्रफल एक एकड़ है, जिससे औसतन 10 हजार घनमीटर जलभराव संभव हो सका है। इस प्रकार जिले में कुल 5 लाख 70 हजार घनमीटर से अधिक जलसंचयन क्षमता अमृत सरोवरों के माध्यम से तैयार की जा चुकी है। सभी अमृत सरोवरों को ग्राम पंचायतों द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों को मछली पालन हेतु लीज पर दिया गया है। इससे 57 समूहों की 570 से अधिक महिला सदस्यों को स्थायी आजीविका का साधन प्राप्त हुआ है। ग्रामीण स्तर पर पोषण अभियान को दक्षता से बढ़ावा मिला है और फसल विविधीकरण व सब्जी उत्पादन को नई मजबूती मिली है। इन जलाशयों के माध्यम से 5 से 17 एकड़ तक खेतों की सिंचाई सहज हुई है, जिससे किसान अब दो फसलें एवं सब्जी उत्पादन सहजता से कर पा रहे हैं। बीते पांच वर्षों में जिले में 1865 डबरियों का निर्माण किया गया है। इनमें अधिकांश डबरियां अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग, पंजीकृत श्रमिकों की कृषि भूमि तथा वनाधिकार पट्टा भूमि पर निर्मित कर ग्रामीणों को स्वावलंबन की दिशा में सशक्त किया गया है। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर में 1526 डबरी, जनपद पंचायत सोनहत में 339 डबरी निर्माण हुआ है। इन डबरियों से किसानों ने अपनी बाड़ी में सब्जी उत्पादन, फलदार पौधारोपण और मछली पालन प्रारंभ कर आर्थिक सुधार की दिशा में सराहनीय कदम उठाए हैं। इन जल संरक्षण पहलों ने जल उपलब्धता बढ़ाई, सिंचाई सुलभ की महिला समूहों की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत किया और खेती- किसानी को स्थायी आधार प्रदान किया।

आंगनबाड़ी सहायिका के लिए दावा आपत्ति 13 नवम्बर तक आमंत्रित

कोरिया। एकीकृत बाल विकास परियोजना बैकुंठपुर अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका पद की पूर्ति हेतु मूल्यांकन समिति के द्वारा मूल्यांकन उपरांत अनन्तिम मूल्यांकन सूची जारी कर कार्यालय जनपद पंचायत बैकुंठपुर एवं एकीकृत बाल विकास परियोजना बैकुंठपुर के सूचना पटल पर चश्या कर दी गई है। आंगनबाड़ी सहायिका, आंगनबाड़ी केन्द्र ठिहाईपारा, स्टेशनपारा, हरिजनपारा, डमहापारा, टेकमानपारा, घुटरीनाला, दाउनगुड़ा, कोदवारीडांड़, परसोत्तमपारा, बसोरपारा, उरांवपारा, सरईपारा, भखार, गाड़ाबुड़ा, गोंड़पारा, पिपरापारा, बांधपारा, बहेरापारा, उपरपारा, गौटियापारा, तेलईधार एवं देवानीबांध के रिक्त पदों पर दावा आपत्ति के आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु 13 नवंबर 2025 तक नियत किया गया है। दावा आपत्ति के आवेदन पत्र कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना बैकुंठपुर में जमा की जावेगी। दावा आपत्ति के आवेदन पत्र अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय एवं दिवस में ही स्वीकार की जावेगी। निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात् किसी प्रकार के दावा आपत्ति के आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होगें।

रेलवे स्टेशन और कॉलोनियों में अव्यवस्थाओं का अंबार

मनेंद्रगढ़/एमसीबी। मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन और रेलवे कॉलोनी की स्थिति इन दिनों बदहाल हो चुकी है। स्टेशन परिसर से लेकर आवासीय कॉलोनी तक अव्यवस्थाओं का अंबार नजर आता है। जगह-जगह फैली घास, जर्जर दीवारें, वर्षों से गिरे पड़े पेड़ और गंदगी से माहौल अस्वच्छ बना हुआ है।

रेलवे कॉलोनी में निवासरत कर्मचारी लंबे समय से इन समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन बार-बार निवेदन करने के बावजूद रेलवे प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

स्टेशन में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है। आरओ (ऋह्न) प्लांट खराब पड़ा है या अनुपलब्ध है, जिसके कारण कर्मचारियों और यात्रियों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है। नागरिकों का कहना है कि पीने के पानी की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है, और गर्मी के दिनों में यह संकट और भी बढ़ जाता है। कॉलोनी में जगह-जगह विशालकाय वृक्ष वर्षोंसे टूट कर गिरे हुए है, और जा के तस पड़े हुए हैं, इसको हटाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। साफ-सफाई का कार्य रेलवे के हेल्थ इंस्पेक्टर के अधीन है, लेकिन कर्मचारियों का कहना है कि न तो नियमित सफाई होती है और न ही किसी प्रकार का निरीक्षण। हेल्थ इंस्पेक्टर पर आरोप है कि वे जिम्मेदारी निभाने की बजाय ट्रेड यूनियन की नेतागिरी में व्यस्त रहते हैं। श्रमिक संगठन के पदाधिकारी के रूप में वर्षों से जमे होने के बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। रेलवे कर्मचारियों ने बताया कि जब भी सफाई या अन्य जरूरी कार्यों की बात की जाती है, तो हेल्थ इंस्पेक्टर द्वारा बातों को टाल-मटोल कर दिया जाता है। कमर्शियल इंस्पेक्टर का मुख्यालय अनूपपुर स्थानांतरित हो चुका है, लेकिन उनके अधीन कार्यरत चपरासी पी. सूर्य नारायण अब भी मनेन्द्रगढ़ में डटे हुए हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि वे राजनीतिक और ट्रेड यूनियन के दबाव के कारण वर्षों से यहां पदस्थ हैं, जबकि नियमों के अनुसार उनका स्थानांतरण हो जाना चाहिए था। स्टेशन परिसर में अक्सर आवारा पशु घूमते नजर आते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को खतरा बना रहता है। कई बार जानवरों के कारण ट्रेन संचालन में बाधा उत्पन्न होने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि स्टेशन परिसर में पशु सुरक्षा हेतु कैटल गार्ड लगाए जाएं ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। मनेन्द्रगढ़ रेलवे कॉलोनी का तालाब, जो कभी लोगों के स्नान और उपयोग के लिए साफ-सुथरा था, आज गंदगी से भर चुका है। रेलवे विभाग ने उसे ग्रिल लगाकर बंद कर दिया है। कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब की सफाई और पुनर्जीवन के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए। रात्रि को जब लोग स्टेशन जाते हैं रास्ते में पड़ने वाले सड़क पर लगी हुई लाइट उसमें फोकस नहीं होने कारण अंधेरा व्याप्त रहता है जिससे आने-जाने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है ऐसे में अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधिक व्यक्ति कोई भी घटनाक्रम कर सकता है रेलवे प्रशासन को चाहिए की मारवाड़ी धर्मशाला से लेकर स्टेशन तक भरपूर लाइट की व्यवस्था करे। रेलवे स्टेशन में टिकटिंग व्यवस्था भी अव्यवस्थित है। एक ही व्यक्ति को रिजर्वेशन काउंटर और जनरल टिकट काउंटर दोनों की जिम्मेदारी दी गई है। ट्रेन आने के समय रिजर्वेशन काउंटर बंद कर जनरल टिकट बिक्री की जाती है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यात्रियों का कहना है कि दो अलग-अलग कर्मचारियों को नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि किसी भी समय टिकट बिक्री में व्यवधान न हो और भीड़भाड़ की स्थिति से बचा जा सके। कई बार इस अव्यवस्था के कारण यात्रियों और कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति तक बन जाती है। स्थानीय नागरिकों और रेलवे कर्मचारियों ने कहा कि रेलवे प्रशासन से मांग है कि मनेंद्रगढ़ स्टेशन और कॉलोनी की समस्याओं पर तत्काल ध्यान दिया जाए,सड़क में प्रकाश व्यवस्था, नियमित सफाई, पेयजल व्यवस्था और कर्मचारियों की तैनाती में सुधार किया जाए ताकि यात्रियों और कर्मियों को राहत मिल सके।

ग्राम स्वराज की ओर बड़ा कदम मनेन्द्रगढ़ जनपद में जनप्रतिनिधियों को राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत दिया जा रहा प्रशिक्षण

एमसीबी। ग्रामीण भारत के विकास को नई ऊर्जा देने और जनप्रतिनिधियों को सशक्त नेतृत्व के रूप में तैयार करने की दिशा में मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत में राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन अमृत सदन सभागार में हो रहा है, जहाँ जनप्रतिनिधियों को शासन-प्रशासन से जुड़ी जिम्मेदारियों, जनता के प्रति जवाबदेही और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम Valucer Febtes Pvt. Ltd. नामक एनजीओ के सहयोग से संचालित हो रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना है ताकि गाँव-गाँव में विकास की गूंज सुनाई दे। प्रशिक्षण सत्र में जनप्रतिनिधियों को शासन की प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि, जन धन योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचा सकें और ग्रामीण विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक रवि दीक्षित, प्रोजेक्ट मैनेजर डोपाल, मोनिका, अभिषेक और अन्य विशेषज्ञ प्रशिक्षक हैं, जो जनप्रतिनिधियों को ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता विकसित करने और जनहित के कार्यों में पारदर्शिता लाने के तरीकों की जानकारी दे रहे हैं। प्रशिक्षकों ने बताया कि ग्रामीण विकास की असली ताकत जनप्रतिनिधियों के हाथों में है, और जब वे जागरूक एवं प्रशिक्षित होंगे, तभी शासन की योजनाएं जमीनी स्तर पर सफल होंगी। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड सहित पूरे मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विभिन्न जनपदों में इस अभियान के तहत क्रमवार प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। यही नहीं, यह कार्यक्रम अन्य जिलों में भी विस्तार पा रहा है ताकि राज्य स्तर पर एक संगठित, प्रशिक्षित और जागरूक ग्रामीण नेतृत्व तैयार हो सके। इस प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल योजनाओं का ज्ञान बढ़ रहा है।

सेजेस खरवत मैदान में होगा आयोजन विभागों को सौंपे गए दायित्व

कोरिया। आदिम जाति विकास विभाग, नवा रायपुर से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर कोरिया जिले में 15 नवम्बर 2025 को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सेजेस खरवत मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरिया द्वारा आदेश जारी कर विभिन्न विभागों को उनके दायित्व आवंटित कर दिए गए हैं। कार्यक्रम दो चरणों में होगा पहला चरण 10 से 14 नवम्बर 2025 तक होगा। इस चरण में जिले के सभी शासकीय विद्यालयों, आश्रम-छात्रावासों एवं संस्थानों में प्रभात फेरी, जनजागरूकता यात्राएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएँगी। साथ ही जिले के सभी आदि सेवा केन्द्रों में आदि साथी, आदि सहयोगी एवं मास्टर ट्रेनर्स द्वारा गौरव दिवस कार्यक्रम, जनजातीय महापुरुषों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्रों पर माल्यार्पण का आयोजन किया जाएगा। दूसरा चरण 15 नवम्बर 2025 को होगा। इस दिन जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन सेजेस खरवत मैदान में किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं एसडीएम बैकुण्ठपुर मंच, टेंट, साउंड एवं लाइट व्यवस्था सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जनपद पंचायत सीईओ एवं मंडल संयोजक आमंत्रण पत्र वितरण, शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला नृत्य प्रतियोगिता, जनजातीय कला एवं परंपरा प्रदर्शनी संबंधित विभाग जनजातीय हाट, देवगुड़ी, जनजातीय व्यंजन, हस्तशिल्प, संस्कृति और योजनाओं की प्रदर्शनी जिला एवं जनपद पर विशेष शिविर आधार, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, जाति प्रमाण-पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड आदि का हितग्राहियों को वितरण की जिम्मेदारी तहसीलदार बैकुण्ठपुर/सोनहत/पटना/पोड़ी-बचरा जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों तथा समुदाय प्रमुखों की सम्मानपूर्वक उपस्थिति सुनिश्चित करना होगा।

चालक से युवकों ने की अभद्रता, हस्तक्षेप करने पर दो तहसीलदार का सिर फोड़ा

चार आरोपी गिरफ्तार, कई और चेहरों की तलाश कर रही पुलिस

कोरबा। आदर्श नगर बस्ती में एक वाहन चालक से आसपास के युवकों ने किसी बात को लेकर गाली-गलौज के साथ विवाद किया। हो-हल्ला सुनकर दो तहसीलदार यहां दखल देने पहुंचे तो उनसे भी मारपीट की गई। घटना में उनका सिर फोड़ दिया गया। उन्हें कोरबा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच जारी रखी है।

कुसमुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत आदर्श नगर बस्ती में पिछली रात्रि लगभग 10 बजे यह घटना हुई। नसों में खींचाव की शिकायत पर दीपका तहसीलदार अमित केरकेटा और हरदीबाजार तहसीलदार अभिजीत राजभानु यहां स्थित राजेश सेलून गए हुए थे। उन्होंने अपना स्कार्पियो वाहन दुकान के बाहर खड़ा कर दिया था। बाहर गाड़ी में चालक और अन्य व्यक्ति मौजूद था। खबर के अनुसार इसी दरम्यान आधा दर्जन से अधिक युवक यहां पहुंचे और वाहन चालक से अनावश्यक गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। हंगामा होने की सूचना मिली तो दोनों तहसीलदार बाहर आए। उन्होंने मामले को समझा और दखल दी।

उन्होंने युवकों को समझाने का प्रयास किया। इस पर मामला और ज्यादा बढ़ गया और युवकों ने दोनों तहसीलदार पर हमला कर दिया। इस दौरान अभिजीत और अमित के सिर एवं पटवार त्रिलोक सोनवानी को अन्य हिस्से में काफी चोट आई। इसके कुछ देर बाद यहां आसपास के लोगों का मजमा लग गया। सूचना दिए जाने पर कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज सिंह तिवारी तत्काल स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। इस समय तक घटना को अंजाम देने वाले लोग फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित तहसीलदार और पटवारी त्रिलोक सोनवानी को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने बताया कि घटना के तत्काल बाद चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है और भी लोगों की गिरफ्तारी की जानी है। इस मामले में हत्या के प्रयास के साथ, डकैती समेत अन्य धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

आदतन बदमाश का है रिकार्ड

तहसीलदार और पटवारी पर हमला करने के मामले में कुसमुंडा पुलिस ने कुसमुंडा क्षेत्र के पुनेश, बबन, डिंपल, हितेश सारथी को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि मुख्य आरोपी हितेश सारथी आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ और भी मामले सामने आ चुके हैं। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने अब मोस्ट वांटेड तत्वों की कुंडली खोली है। इनके खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई करने का विचार है।

वेतन में 5000 का अंतर, टोल प्लाजा के स्थानीय कर्मी भड़के

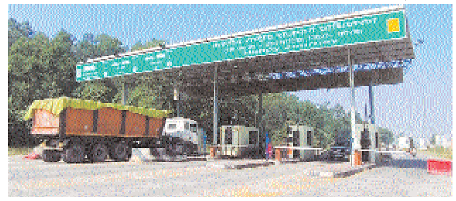

नाराजगी जताई तो प्रबंधन ने दो दिन का मांगा समय

कोरबा। नेशनल हाईवे 130 के कोरबा जिले में चोटिया स्थित टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने भेदभाव का आरोप लगाकर बुधवार को सांकेतिक प्रदर्शन किया। वे अन्य कर्मचारी के जितना वेतन चाहते हैं प्रबंधन ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी के उच्च अधिकारियों से मिलकर बीच का रास्ता निकालने के लिए 2 दिन का समय मांगा है।

कोरबा जिले को अंबिकापुर से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे संख्या 130 का निर्माण भारत सरकार के द्वारा पिछले वर्षों में कराया गया। सरकार की व्यवस्था के अंतर्गत इस प्रकार के कार्यों की लागत निकालने के लिए वसूली की जा रही है। 60 किलोमीटर की दूरी पर वैसे विकल्प सुनिश्चित किए गए हैं। वाहनों की क्षमता के हिसाब से टोल लेने का नियम है। कोरबा जिले के पौड़ी उपरोड़ा सबडिवीजन में चोटिया में टोल प्लाजा संचालित हो रहा है जिसमें पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों को नियोजित किया गया है। टोल ठेकेदार के द्वारा स्थानीय और बाहर के कर्मचारी संबंधित व्यवस्था के लिए रखे गए हैं। ठेकेदार ने वेतन का निर्धारण इस तरह से किया है जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है।

चोटिया, बनिया और लमना क्षेत्र की युवतियां टोल प्लाजा में काम कर रही है, जिनका कहना है कि उन्हें काम के बदले केवल 8000 रुपए वेतन के रूप में दिए जा रहे हैं, जो कम है। जबकि बाहर से वास्ता रखने वाले कर्मचारियों को कंपनी लगभग 13000 रुपए तक वेतन का भुगतान और अन्य सुविधाएं दे रही है। स्थानीय कर्मचारियों ने समानता के सिद्धांत पर काम करने की बात कही और इसी मुद्दे को लेकर आज जनप्रतिनिधियों के साथ यहां प्रदर्शन किया। यहां पर जनपद अध्यक्ष माधुरी देवी, जिला पंचायत सदस्य विद्वान सिंह, स्थानीय सरपंच लाल बहादुर सिंह के अलावा अन्य जनपद सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

इस दौरान टोल प्लाजा का कॉन्ट्रैक्ट संभाल रही कंपनी ने उच्च अधिकारियों को इस मसले से अवगत कराने और व्यवस्था ठीक कर रहे की बात कही है। उसकी ओर से दो दिन का इंतजार करने कहा गया है।

*करतला। घिनारा से लेकर बेहरचुआ रामपुर और कोई आदि इलाके में सीताफल की बम्पर पैदावार ने लोगों को उत्साहित किया है। इस फल की दीवानगी इस कदर है कि हर रोज पेंड्रा रोड और एमसीबी से सैकड़ों गाड़ियां यहां पहुंच रही है।

दीपका में होगी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक कल

कोरबा। प्रदेश के पूर्व मंत्री व एसआईआर प्रभारी जयसिंह अग्रवाल कल कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक दीपका में लेंगे। मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी संबंधी अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज चौहान, महिला जिलाध्यक्ष प्रभा तंवर, महामंत्री भुवनेश्वरी दास, युवक कांग्रेस अध्यक्ष रहमान खान, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश मानिकपुरी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। कटघोरा ग्रामीण ब्लॉक के अध्यक्ष गोरेलाल यादव ने पूरी तैयारी कर ली है। उनके क्षेत्र से भी कार्यकर्ता बैठक में शामिल होंगे। बांकीमोंगरा क्षेत्र के नवल किशोर, परमानंद सिंह, अजय प्रसाद, फिरोज अनंत, कृष्णा दास, धनंजय दीवान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। बैठक को सफल बनाने के लिए नपा दीपका एसआईआर प्रभारी विशाल शुक्ला, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप सिंह के द्वारा तैयारी की जा रही है। जबकि आज रामपुर विधानसभा क्षेत्र के बरपाली में जयसिंह अग्रवाल बैठक लेंगे। यहां पर विधायक फूलसिंह राठिया, प्रवीण ओगरे, लखन लहरे, गणेश बघेल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

बाइकर्स आया बीच में, मंत्री का फॉलो वाहन पलटने से तीन जख्मी

कोरबा। कोरबा विधायक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के काफिले का वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर ग्राम धुईचुआ के पास सड़क हादसे का शिकार हो गया। जानकारी के अनुसार काफिले में आगे चल रही एक स्कॉर्पियो वाहन बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक एएसआई, एक प्रधान आरक्षक और वाहन चालक घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन का काफिला कोरबा से रायपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान ग्राम धुईचुआ के पास राजमार्ग पर तीन बाइक सवार युवक अचानक काफिले के सामने आ गए। सामने चल रही स्कॉर्पियो के चालक ने युवकों को टक्कर से बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। उक्त काफिले के वाहन चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को नियंत्रित कर लिया, जिसके चलते कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन और उनके साथ बैठे अन्य लोग सुरक्षित रहे। काफिले में पीछे चल रहे अन्य वाहन भी समय रहते रुक गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही पाली थाना प्रभारी जितेंद्र यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। हादसे में एएसआई दिलीप कुमार शुक्ला, प्रधान आरक्षक आर. विनीत तिर्की और स्कॉर्पियो चालक घायल हुए हैं। सभी को मामूली चोटें आई हैं। बताया गया कि हादसे के बाद बाइक पर सवार तीनों युवक घटना स्थल से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। जिला कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बाइक सवारों को बचाने के दौरान काफिले का वाहन पलट गया। उन्होंने कहा कि सभी घायलों की स्थिति सामान्य है और मामले में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

सरकारी स्कूल में शिक्षक ने लगाई फांसी, पुलिस कर रही जांच

कोरबा। 54 वर्षीय शिक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव फांसी के फंदे पर स्कूल परिसर में लटका मिला है। सूचना प्राप्त होने पर कोरबी चौकी पुलिस यहां मुआयना करने पहुंची। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

पसान थाना क्षेत्र के अंतर्गत पौड़ी उपरोड़ा विकासखंड बनिया गांव के सरकारी स्कूल में यह घटना हुई। विकासखंड कोरबा और बालको नगर पुलिस थाना क्षेत्र के रूमगरा के रहने वाले 54 वर्षीय शिक्षक रमेश चंद्र साहू यहां पर काफी समय से पदस्थ हैं। बताया गया कि कुछ दिनों से शिक्षक डिप्रेशन में थे , इस तरह की जानकारी पुलिस के पास आई है। इस बीच उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्कूल के स्टाफ ने पुलिस को शिक्षक के द्वारा फांसी लगाने की जानकारी दी। जिस पर चौकी प्रभारी सुरेश जोगी स्टाफ के साथ यहां पहुंचे। शिक्षक के परिजनों को इस बारे में अवगत करा दिया गया है। उनके यहां पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ करने पर इस मामले में वास्तविक कारण सामने आ सकेंगे।

नशेड़ियों की सुरक्षित जगह बनी फलोद्यान

ऐसा लगता है कि नगर पालिका निगम कोरबा फलोद्यान को संवारने संबंधी अपनी योजना को भूल गया है। कुछ महीने पहले यहां की साफ सफाई करने के साथ घोषणा की गई थी कि यहां पर सब्जी और फल का वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। वर्तमान में यह जगह नशेड़ियों का अड्डा बनी हुई है। पूरे हिस्से में डिस्पोजल और अन्य सामानों की भरमार है।

3 लाख पुस्तकों में राम नाम लिखेंगे लोग, अभियान को गति

राम मंदिर अयोध्या की द्वितीय वर्षगांठ पर सौपेंगे पुस्तिकाएं

कोरबा। कोरबा जिले में राम नाम लेखन महायान्न नाम से एक नए अभियान को संचालित किया जा रहा है। अगले महीने से इस पर काम शुरू होगा। 3 लाख राम नाम वाली पुस्तक लोगों को वितरित की जाएंगे। प्रत्येक पुस्तक में 12 000 से ज्यादा नाम लिखे जाएंगे।

इस अभियान को लेकर कार्य योजना तैयार कर दी गई है जिसके अंतर्गत प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया गया। लोगों को हर पुस्तक ?5 की कीमत पर उपलब्ध कराई जाएगी। वे अपने स्तर पर इसका उपयोग करने के साथ दूसरों के लिए भी पुस्तक ले सकेंगे। जानकारी के अनुसार कोरबा नगर से लेकर उपनगरीय क्षेत्र और खंड स्तर पर योजना का कार्यान्वयन होगा। गुरु घासीदास जयंती से अभियान की शुरुआत होगी और एक सप्ताह में राम नाम लेखन का कार्य पूर्ण करने के साथ फिर पुस्तकों को जमा कराया जाएगा। बताया गया की 3 लाख पुस्तकों के जरिए लोग तीन खरब 33 करोड़ राम नाम लिखेंगे।। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की दूसरी वर्षगांठ पर यह सभी पुस्तिकाएं एक रैली के जरिए समर्पित की जाएगी।

सांसद देवेंद्र प्रताप दिखाएंगे हरी झंडी

कोरबा। कल भाजपा के द्वारा एकता दौड़ का आयोजन तुलसी नगर में किया गया है। जिले के कार्यकर्ता तुलसी नगर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के निकट से एकता दौड़ की शुरुआत करेंगे और कोसाबाड़ी में जाकर यह दौड़ समाप्त होगी। सांसद देवेंद्र प्रताप हरी झंडी दिखाने के लिए आज कोरबा आ रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, योगेश मिश्रा, मनीष मिश्रा, लखन राठौर, हनुमान पांडेय, अभिषेक गर्ग, पुनीराम साहू, मिलापराम बरेठ, रामकुमार गभेल के द्वारा तैयारी की जा रही है। इसके पहले भी एकता दौड़ का आयोजन पुलिस विभाग के द्वारा की गई थी, जिसमें भाजपा के कार्यकर्ता शामिल हुए थे। सभी क्षेत्रों में अलग-अलग एकता दौड़ का आयोजन किया गया था।

दूसरे अगहन गुरुवार के लिए हुई गेंदा फूल की बिक्री

कोरबा। अगहन महीने में गुरुवार को लक्ष्मी पूजा की परंपरा का निर्वहन हिंदू समाज कर रहा है। दूसरे गुरुवार के लिए आज स्थानीय बाजार में गेंदा फूल के अलावा अन्य पूजा सामग्री की जमकर बिक्री हुई। कोरबा के ग्रामीण क्षेत्र से लोग पूजा की सामग्री को लेकर आज शहर पहुंचे थे। उन्होंने बुधवार बाजार, कोसाबाड़ी चौराहा और दूसरे क्षेत्र में दुकान लगाई। बताया गया कि हर वर्ष आस्थावानों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और इसके जरिए वस्तुओं के कारोबार से जुड़े वर्ग को काफी अच्छा लाभ हो रहा है।

चालक से विवाद करने के बाद बेल्ट से पिटाई के मामले कई गिरफ्तार

कोरबा। कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीतामढ़ी इलाके में मारपीट की एक घटना में अनिल आनंद निवासी मानिकपुर को चोटे आई। पुलिस ने वीडियो के आधार पर सीतामढ़ी क्षेत्र के तीन लोगों के खिलाफ अपराधीक प्रकरण दर्ज किया है। नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का ने बताया कि अनिल आनंद स्कॉर्पियो पर सवार होकर जा रहा था। सीतामढ़ी में गाड़ी को ओवरटेक करने की बात को लेकर युवकों ने उससे बहसबाजी की और फिर बेल्ट से मारपीट की। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

*कोरबा। ग्रामीण क्षेत्र में नशा मुक्ति के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की बुराइयों से लोगों को बाहर निकलने का काम चल रहा है। महिला कल्याण समिति नाम का एक संगठन इसमें अपने भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर रैली और अनुपकर नाटक करते हुए लोगों को यह जानकारी दी है कि समाज के हित में क्या जरूरी है और क्या नहीं।

कोयला उत्पादन पर चर्चा

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रोजेक्ट के अधिकारियों व जेसीसी सदस्यों के मध्य गेस्ट हाउस में वार्ता आयोजित की गई। जिसमें कोयला उत्पादन बढ़ाने पर चर्चा किया गया। जेसीसी सदस्यों ने सुझाव भी दिए। गेवरा प्रोजेक्ट के जेसीसी सदस्य शेख चांद मंसूरी, छंदराम, अनुज राम, कुलदीप कुमार का कहना है कि कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए कामगारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस कार्य में अधिकारियों का भी बराबर सहयोग मिल रहा है। आने वाले दिनों में कोयला उत्पादन के मामले में गेवरा प्रोजेक्ट पुनः रिकार्ड बनाएगा।

रोस्टर के हिसाब से कामगारों को किया जाए पदोन्नत

कोरबा। अनुसूचित जाति-जनजाति काउंसिल कुसमुंडा की आईआर बैठक प्रबंधन के साथ की गई। जिसमें काउंसिल के वीरेंद्र टंडन व जवाहर मार्को ने अपनी बात रखते हुए कहा कि रोष्टर के हिसाब से कामगारों को पदोन्नत किया जाएग। कई बार देखने में आता है कि अन्य जाति के लोगों को पदोन्नत कर दिया जाता है। इस मामले को गंभीरता से लेना होगा। बैठक में उपस्थित राजकुमार, रामलाल जांगड़े, सूरज प्रकाश, झाडूराम, सनंद भारद्वार ने अपनी बात रखते हुए कहा कि क्षेत्र में अनेक समस्याएं हैं।

कार्यकारिणी का होगा विस्तार

कोरबा। एसईकेएमसी गेवरा केंद्रीय कर्मशाला के अध्यक्ष विकास शुक्ला कार्यकारिणी का विस्तार करेंगे। इसके लिए उन्होंने सूची तैयार कर ली है और कुछ दिनों बाद सूची को लेकर एसईकेएमसी के केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय कर्मशाला गेवरा की बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी लोगों को जिम्मेदारी दी जाए। इसी तरह एसईकेएमसी गेवरा एरिया में नए चेरहों को मौका दिया जा रहा है। ओमप्रकाश पासवान को एरिया सेफ्टी सदस्य बनाया जा सकता है। जबकि पिछले दिनों गिरीश जायसवाल को प्रोजेक्ट को सेफ्टी सदस्य बनाया गया था। यहां अध्यक्ष डीके मिश्रा के द्वारा दो महीने पहले नए लोगों को जिम्मेदारी दी थी।

किकबॉक्सिंग खिलाड़ियों को लगातार मिल रहा अवसर: तारकेश

कोरबा। वाको इंडिया किक बॉक्सिंग संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष तारकेश मिश्रा ने कहा है कि खिलाड़ियों को इस क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए हम बेहतर कोशिश कर रहे हैं और उन्हें लगातार सफलता के साथ अच्छे अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

प्रदेश और नेशनल लेवल पर अनेक प्रतियोगिताओं में रेफरी की भूमिका निभा चुके तारकेश ने विशेष बातचीत में कहा की छत्तीसगढ़ में खेल नीति में आशाजनक बदलाव करने के बाद कई प्रकार के परिवर्तन साफ नजर आ रहे हैं। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को अच्छे मौके देने के साथ उनके लिए प्रोत्साहन की भी व्यवस्था कर रखी है। छात्रवृत्ति के साथ-साथ विभिन्न स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कार की राशि में बढ़ोतरी की गई है। स्टेडियम को अच्छा करने के साथ संसाधन देने के मामले में सरकार ने फ्लैक्सिबल रवैया अपनाया हुआ है। इस तरह की व्यवस्था करने से खिलाड़ियों और उनके प्रबंधकों को काफी आसानी हुई है। पिछले दिनों कोरबा जिले में आयोजित प्रशासन के तीन दिवसीय राज्य उत्सव में विशेष भूमिका के लिए तारकेश को मंत्री ने लखनलाल देवांगन के हाथों पुरस्कृत किया गया। उन्होंने कहा कि जब किसी भी क्षेत्र के लिए नीतियां अच्छी होती हैं।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com